

सतना

09 अक्टूबर 2024
बुधवार

दैनिक

मीडिया ऑडिटर



शाकिब अल हसन...

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

@ पेज 7



संक्षिप्त समाचार

सप्तम मां कालरात्रि



मां के सप्तम रूप का नाम है मां कालरात्रि। यह मां का अंतिम भयावह रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और घोर दुःखदायी नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व का समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

बेंगलुरु में बर्थडे केक खाने से बच्चे की हो गई मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के भुवनेश्वरी नगर इलाके में सोमवार को बर्थडे केक खाने से 5 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। उसके माता-पिता की हालत गंभीर है। दोनों अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। हालत गंभीर बताई जा रही है। कपल की पहचान बलराज और नागलक्ष्मी के रूप में हुई है। उनके बच्चे का नाम धीरज था। बलराज स्वींगी कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करते हैं। रविवार, 6 अक्टूबर को एक कस्टमर ने केक का ऑर्डर कैसिल कर दिया था, जिसके बाद बलराज केक अपने घर ले आए थे। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बलराज ने अपने बर्थडे के बर्थडे पर स्वींगी के जरिए एक बेकरी से केक ऑर्डर किया था। उन्होंने अपने बेटे धीरज का जन्मदिन मनाया। पूरे परिवार ने साथ मिलकर केक काटा और खाया। फिर डिनर करके सो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्चे की मौत हुई। सोमवार सुबह तीनों के पेट में तेज दर्द होने लगा।

उत्तराखंड में यूसीसी का ड्रॉप तैयार, जल्द होगा लागू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने को लेकर अंतिम रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। राज्य सरकार की तरफ से बनाई गई यूसीसी कमेटी इस रिपोर्ट को जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपेगी। यह रिपोर्ट उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के लिए तैयार की गई सिफारिशों का मसौदा है, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, और गोद लेने जैसे व्यक्तिगत कानूनों को समान रूप से लागू करने के प्रावधान शामिल हैं। सीएम धामी ने हाल ही में घोषणा की थी कि सरकार 9 नवंबर को उत्तराखंड स्थापना दिवस पर यूसीसी लागू करना चाहती है। उत्तराखंड ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य होगा। 13 मार्च को यूसीसी बिल को राष्ट्रपति से मंजूरी मिली थी।



लिफ तैयार की गई सिफारिशों का मसौदा है, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, और गोद लेने जैसे व्यक्तिगत कानूनों को समान रूप से लागू करने के प्रावधान शामिल हैं। सीएम धामी ने हाल ही में घोषणा की थी कि सरकार 9 नवंबर को उत्तराखंड स्थापना दिवस पर यूसीसी लागू करना चाहती है। उत्तराखंड ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य होगा। 13 मार्च को यूसीसी बिल को राष्ट्रपति से मंजूरी मिली थी।

हरियाणा में बीजेपी की हैट्रिक, मिली प्रचंड जीत

लगातार तीसरी बार बन रही सरकार, कांग्रेस के साथ हो गया 'खेला'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के परिणामों में बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। राज्य में ऐसा करने वाली पहली पार्टी होगी। पार्टी को कुल 90 सीटों में से 49 सीटों पर बढ़त है। 41 सीटों पर जीत मिल चुकी है। उधर, कांग्रेस को 3 सीटों पर बढ़त है। 33 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी और कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा अपनी-अपनी सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं।



जानबुझकर चुनाव आयोग की वेबसाइट पर रिजल्ट धीमे-धीमे शेयर किया जा रहा है। क्या भाजपा प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। मतगणना सुबह 8 बजे शुरू हुई। रूझान आते ही कांग्रेस ने बढ़त बना ली थी और कुछ देर तक एक तरफा जीत की ओर थी। पार्टी ने 65 सीटों को हू लिया था। भाजपा कम होकर 17 सीटों पर आ गई थी। लेकिन 9.30 बजे भाजपा टक्कर में आ गई।



आम आदमी पार्टी की जम्मू-कश्मीर में लग गई लॉटरी

केजरीवाल हरियाणा में खाता नहीं खोल पाए पर घाटी से मिला सरप्राइज गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आ गए हैं। जहां एक तरफ कांग्रेस-एनसी गठबंधन का विजय रथ धूम मचा चुका है वहीं इसी बीच आम आदमी पार्टी ने भी अपना खाता खोल दिया है। जम्मू कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों में से डोडा सीट पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मेहराज मलिक ने जीत दर्ज की है। डोडा विधानसभा में एएपी की जीत 4,770 वोटों से हुई है। उन्हें कुल 22,944 मिले हैं। जबकि दूसरे नंबर रहे बीजेपी के गजय सिंह राणा को 18,174 वोट मिले हैं। विधानसभा चुनाव में डोडा सीट पर करीब 73 हजार लोगों ने मतदान किया था।

उम्मीदवार रहे हैं। मेहराज मलिक ने अपने एक्स हैंडल पर अपनी जीत के घोषणा का वीडियो शेयर किया है। जिसमें मतगणना केंद्र से अधिकारी डोडा से उनकी जीत का ऐलान कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इससे पहले साल 2014 में बीजेपी को डोडा सीट पर जीत मिली थी। उसे पहले यहां पर कांग्रेस का कब्जा रहा है। हालांकि अब इस सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस विधानसभा चुनाव में डोडा सीट पर करीब 73 हजार लोगों ने मतदान किया था।



विनेश फोगाट जहां जाएंगी, कांग्रेस का सत्यानाश ही होगा



बृज भूषण सिंह ने जताई प्रतिक्रिया, कहा-कांग्रेस को तो डुबो दिया

गोंड (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट की जीत हुई है। विनेश फोगाट की जीत पर पूर्व बीजेपी सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंगलवार को उन्होंने कहा- हमारा नाम लेकर अगर वे (विनेश फोगाट) जीत गईं तो इसका मतलब हम महान आदमी हैं। कम से कम मेरे नाम में इतना दम तो है कि मेरा नाम लेकर उनकी नइया पार हो गई लेकिन कांग्रेस को तो डुबो दिया... राहुल बाबा का क्या होगा। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि विनेश फोगाट जहां-जहां जाएंगी, कांग्रेस का सत्यानाश ही होगा।

यह लड़ाई देश की सबसे मजबूत दमनकारी शक्तियों के खिलाफ थी



विनेश बन गई विधायक, उनकी जीत पर बोले बजरंग पुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिसल्ट विनेश फोगाट ने विधानसभा चुनाव जीत लिया है। कांग्रेस ने जुलाना से विनेश को टिकट दिया था। उन्होंने भाजपा को योगेश कुमार को हरा दिया है। पेरिस ओलंपिक के बाद विनेश फोगाट के साथ बजरंग पुनिया भी कांग्रेस में शामिल हुए थे। विनेश की जीत के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश की बेटी विनेश फोगाट को जीत की बहुत बहुत बधाई। यह लड़ाई सिर्फ एक जुलाना सीट की नहीं थी, सिर्फ 3-4 और प्रत्याशियों के साथ नहीं थी, सिर्फ पार्टियों की लड़ाई नहीं थी। यह लड़ाई देश की सबसे मजबूत दमनकारी शक्तियों के खिलाफ थी, और विनेश विजिता रही।

7500 पुलिसकर्मियों के भरोसे थी 15 लाख की भीड़

चेन्नई एयर शो में गई थी 5 लोगों की जान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के चेन्नई में मरीना बीच पर वायुसेना के एयर शो के दौरान भगदड़ में मारे गए 5 लोगों के अंतिम संस्कार सोमवार को हुए। करीब 200 घायल लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के 92वें स्थापना दिवस से पहले 6 अक्टूबर को चेन्नई में एयर शो हुआ था। इस एयर शो को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए 15 लाख लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य था। स्थानीय प्रशासन का दावा है कि इससे ज्यादा लोग पहुंचे, इसलिए व्यवस्थाएं बिगड़ गईं। भारी भीड़ और गर्मी के चलते 5 लोगों की मौत हो गई। एयर शो का नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गया है। एयर शो 11 बजे शुरू होना था, लेकिन लोग 7 बजे से पहुंचने लगे। मेट्रो-बस स्टेशनों पर भारी भीड़ थी। फिर भी प्रशासन ने भीड़ का अंदाजा नहीं लगाया।

चीन सिर्फ प्रतिद्वंद्वी नहीं उससे हमें बड़ा खतरा...

एयर चीफ के बयान पर ड्रेगन का आया जवाब, कहा-भारत हमें प्रतिद्वंद्वी न माने

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी सरकार का मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने विशेषज्ञों के हवाले से एक रिपोर्ट करते हुए कहा है कि भारतीय वायुसेना (आईएएफ) को चीन को प्रतिद्वंद्वी की तरह नहीं देखना चाहिए। चीनी अखबार में यह टिप्पणी भारत के एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के बयान के जवाब के तौर पर आई है। सिंह ने सोमवार को एक इंटरव्यू में माना था कि भारत सैन्य प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन में चीन से काफी पिछड़ गया है। सिंह ने तकनीक, रक्षा उत्पादन और बुनियादी ढांचे में चीन की प्रगति को स्वीकार किया है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट

कहती है कि चीन का यह कहना कि भारत उसे प्रतिद्वंद्वी न माने, कई सवाल खड़े करता है। दरअसल यह पहचानना जरूरी है कि चीन की भूमिका प्रतिद्वंद्वी से आगे तक है। वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। चीन खुद बड़े स्तर पर अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है लेकिन भारत को वह मजबूत होते नहीं देखना चाहता है। एक्सपर्ट के इस दावे को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि चीन भारत की हवाई युद्ध में बढ़त को लगातार कम कर रहा है।

कांग्रेस ने लोकसभा-विधानसभा चुनावों में खर्च किए 585 करोड़

चुनाव आयोग को बताया-स्टार कैपेनर्स की हवाई यात्रा में 105 करोड़ खर्च हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 और आंध्र, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 585 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पार्टी ने 20 मार्च से 1 जून तक हुए कुल 5 चुनावों के खर्च का ब्यौरा चुनाव आयोग को सौंपा है। रिपोर्ट में कांग्रेस ने बताया कि 585 करोड़ में से 410 करोड़ रुपए एड और मीडिया कैपेन के लिए खर्च किए गए हैं। वहीं, 46 करोड़ रुपए सोशल मीडिया और ऐप के वचुअल कैपेन के लिए खर्च किए गए हैं। दरअसल, सभी पार्टियों को अपना चुनावी खर्च का ब्यौरा चुनाव आयोग को रिजल्ट घोषित होने के 75 से 90 दिनों के अंदर देना होता है। समय सीमा खत्म होने पर भी जब पार्टियां जानकारी नहीं देती है तो चुनाव आयोग पार्टियों को नोटिस भेजता है, जिसका पार्टियां महीनों तक जवाब नहीं देती हैं।



लेबनान पर समंदर के रास्ते हमला करेगा इजराइल



बेरूत/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना ने कहा कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तटीय इलाके में ऑपरेशन शुरू करेगी। सेना ने लेबनान के लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। यूज एजेंसी के मुताबिक मछुआरों को भूमध्य सागर से सटे 60 किलोमीटर तक के इलाके में ना जाने की चेतावनी दी गई है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने सोमवार को एक घंटे के भीतर साउथ लेबनान में हिजबुल्लाह के 120 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया। लेबनान की

भूमध्य सागर से सटे 60 किमी इलाके में न जाने की चेतावनी; 120 मिसाइलों से जमीनी हमला किया

बेरूत/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना ने कहा कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तटीय इलाके में ऑपरेशन शुरू करेगी। सेना ने लेबनान के लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। यूज एजेंसी के मुताबिक मछुआरों को भूमध्य सागर से सटे 60 किलोमीटर तक के इलाके में ना जाने की चेतावनी दी गई है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने सोमवार को एक घंटे के भीतर साउथ लेबनान में हिजबुल्लाह के 120 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया। लेबनान की



हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक इस हमले में 10 फायर फाइटर (दमकलकर्मी) की मौत हो गई। इसके अलावा अभी भी कई लोग मलबे में दबे हुए हैं। हवाई हमलों के साथ-साथ इजराइली सेना का दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकाने पर ग्राउंड ऑपरेशन भी जारी है। इस दौरान सोमवार को दो इजराइली सैनिकों की मौत हो गई। लेबनान के ग्राउंड ऑपरेशन में अब तक 11 इजराइली सैनिकों की जान जा चुकी है। हिजबुल्लाह ने सोमवार को 190 रॉकेट्स दागे।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों को खेल सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये हर जिले में संचालित हैं 110 केन्द्र

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उच्च स्तर की खेल सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने हर जिले के सरकारी स्कूलों में 110 नोडल खेल केन्द्रों की स्थापना की है। इन केन्द्रों के जरिये छात्र-छात्राओं को खेल-संरचना के साथ उत्कृष्ट स्तर की खेल सामग्री और खेल प्रशिक्षण की सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस व्यवस्था से सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं के खेल प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाली शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की सहभागिता में भी बढ़ोतरी हुई है। विभिन्न नोडल केन्द्रों के करीब 200 खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता कर विभिन्न खेलों में 80 पदक प्राप्त किये। राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न विधाओं में सहभागिता में भी बढ़ोतरी हुई है। विभिन्न नोडल क्रीड़ा प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 7 खेलों में 26 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य समेत कुल 53 पदक प्राप्त किये। स्कूलों में खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिये कक्षा 9वीं से 12वीं तक आवासीय खेलकूद संस्थान, सीहोर में संचालित किया जा रहा है। इस आवासीय संस्थान में 200 सीट निर्धारित है। विद्यार्थी यहां विद्यालय में 4 वर्ष तक पढ़ाई के साथ अपनी रूचि के खेलों का भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस आवासीय संस्थान के विद्यार्थियों का विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा फिट इण्डिया मूवमेंट के अंतर्गत 6 फिटनेस का डोज-आधा घण्टा रोज% कार्यक्रम सरकारी स्कूलों में आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक विभिन्न खेल गतिविधियों में सहभागिता की। फिट इण्डिया मूवमेंट के अंतर्गत 5% फिट इण्डिया वीक% पिछले वर्ष सभी जिलों में मनाया गया।

बिजली कंपनी ने सार्वजनिक किये बड़े बकायादारों के नाम

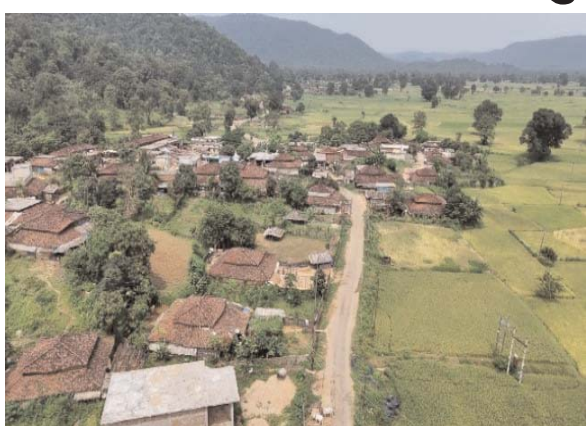
मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के अंतर्गत आने वाले ऐसे बिजली उपभोक्ता जिनके द्वारा अपने बकाया बिजली बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है, उनके नाम, पते और बकाया राशि की जानकारी को सार्वजनिक कर दिया है। कम्पनी द्वारा बकायादारों के नामों की सूची पोर्टल पर सार्वजनिक की है। इन बकायादारों के नाम आमजन और उपभोक्ताओं द्वारा क्षेत्रवार देखे जा सकते हैं। इसके लिए कंपनी पर जाकर होम पेज पर क्लिक करते ही चूत के आधार पर कुल बकायादारों की सूची उपलब्ध हो जाएगी। इसी लिंक को कंपनी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि पर भी साझा कर दिया गया है। कम्पनी द्वारा इस सूची को प्रति सोमवार अद्यतन किया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ता जो अपने बिजली बिल की बकाया राशि जमा कर रहे हैं, उनके नाम पोर्टल पर जारी सूची से तथा सोशल मीडिया से हटा दिए जाते हैं। इसलिए बकाया राशि समय पर जमा करें, जिससे बकायादारों की सूची से नाम हटाया जा सके।

शासकीय सेवकों को दिया जा रहा है आनंद विभाग का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, रोजगार सहायक, नगरीय निकाय और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय आनंद विभाग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इससे प्रदेश के दो हजार से अधिक शासकीय सेवकों को लाभ मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन से सीधे संपर्क में आने वाले शासकीय सेवकों को आनंदित व्यवहार का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे स्वयं आनंदित रहते हुए आमजन को भी आनंदित कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम पंचमढ़ी, जबलपुर, ग्वालियर, छतरपुर तथा इंदौर के विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों के सहयोग से आयोजित किया गया है। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इन कार्यक्रमों का संचालन कराया जा रहा है। इसमें जिला कलेक्टर तथा जिला नोडल अधिकारी (आनंद) के माध्यम से जिलों के शासकीय सेवकों को प्रशिक्षण के लिये निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन 6 चरणों में पूरा होगा। अभी तक 4 चरणों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 से 16 एवं 21 से 23 अक्टूबर को आयोजित होगा। इस अभियान के दौरान कुल 30 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 60-70 शासकीय सेवकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के शासकीय सेवकों के लिए पंचमढ़ी के संजय गांधी युवा नेतृत्व विकास संस्थान, जबलपुर, शहडोल और रीवा संभाग के कर्मचारियों को एसआईआरडी जबलपुर, सागर संभाग के कर्मचारियों को ईटीसी नौगांव (छतरपुर), ग्वालियर एवं चंबल संभाग के कर्मचारियों को आईआईटीएम ग्वालियर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

दुर्गम गांवों में रहने वाले कई जनजातीय परिवारों की जीवन-रेखा बनी हरनाला से दुगलई सड़क

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। कभी वो दिन भी थे, जब दुगलई गांव के लोगों को अपनी ही ग्राम पंचायत बितली तक जाने के लिये एक लंबी यात्रा करनी पड़ती थी। या तो 5.50 कोस पैदल चलना या बालाघाट की ओर से 80 किमी की यात्रा कर बितली पहुंचना उनकी बड़ी मजबूरी थी। क्योंकि तीसरा कोई विकल्प था ही नहीं। दौर बदला, विकास की बात हुई, तो एक सड़क बन गई, जो आगे चलकर छत्तीसगढ़ राज्य के सीमावर्ती गांवों से जुड़ जाती है। यही सड़क यहां के लोगों के लिये विकास की नई सड़क बन गई है। सड़क के बनने से दुगलई के लोगों को पैदल चलने की भारी परेशानी और दुर्घटनाओं से भी हमेशा के लिये मुक्ति मिल



गई है। इस सड़क से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दो राज्यों के लोग मिलजुलकर अपनी देशज संस्कृति साझा कर रहे हैं। बालाघाट जिले की लांजी विधानसभा क्षेत्र का एक छोटा सा गांव है दुगलई। यह बितली ग्राम पंचायत का पोषक ग्राम है। दुर्गम जंगल और पहाड़ी के बीच बसे

क्षेत्र के हरनाला से शुरू होकर पहाड़, घाट और घने जंगल के बीच से होकर यह सड़क लांजी विधानसभा क्षेत्र के दुगलई गांव को जोड़ती है। इस एक सड़क से तीन तहसील बेहर, किरनापुर और लांजी के दुर्गम गांवों को सीधी कनेक्टिविटी मिल गई है।

ग्राम बितली, हरनाला, लुद, सारद, पाथरी, आमालाला, बमनी, कोगेवानी, हरटोला, मंडवा, माडी, डोंगरिया, लातरी, कुर्झोडी, जालदा, लिमोटी, नवही, हिर्री, भिररी और नारंगी गांवों के लोगों सीधा संपर्क इसी सड़क से होने लगा है। करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से बनाई 16 किमी लंबी सड़क से ग्रामीणों का आवागमन सुगम हुआ है।

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में जनसंपर्क अधिकारियों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। चाणक्य भवन स्थित द्रोणाचार्य सभागार में

प्रशिक्षण के दौरान दैनिक भास्कर के संपादक श्री सतीष सिंह ने प्रबंधन के 80-20 के फार्मूले को विभिन्न उदाहरणों के साथ समझाया। उन्होंने अखबार के फार्मूला हल्लेख यानी न्यूज ऑफ द डे के बारे में बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण खबर को प्रकाशित



किया जाता है। फ्री प्रेस के स्थानीय संपादक श्री नितेंद्र शर्मा ने कहा कि समाचार सूचना है लेकिन हर सूचना समाचार नहीं होती है। यदि वह नई है तो सूचना है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों की नौकरी सुबह 10 से शाम 5 बजे तक की नौकरी नहीं है।

श्री शर्मा ने प्रशिक्षण में आए अधिकारियों को समय के साथ चलने एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग करने की बात कही। प्रभारी अपर संचालक श्री संजय जैन ने नवागत जनसंपर्क अधिकारियों को जनसंपर्क में प्रायोगिक ज्ञान के साथ ही सैद्धांतिक ज्ञान को भी बढ़ाए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि शासन की जनहितैषी योजनाओं के बारे में जानकारी देना हमारा कार्य है, साथ ही अपने क्षेत्र में मीडिया से भी मधुर संबंध बनाकर रखें। अन्य सत्रों में विषय-विशेषज्ञ श्री सी.के. शर्मा ने मध्यप्रदेश की भौगोलिक जानकारी, सुश्री सोमा राजे ने सोशल मीडिया प्रबंधन, श्री संजय धस्मान ने विज्ञापन के आकल्पन एवं संपादन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

बच्चों को वन्य जीवन और जैव विविधता की महत्ता से बचपन में ही करें संस्कारित - मंगुभाई पटेल

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि बच्चों को वन, वन्य जीव और जैव विविधता की महत्ता के बारे में बचपन से ही संस्कारित किया जाना चाहिए। माता-पिता उन्हें जैव संरक्षण की बहुलता और आवश्यकता के बारे में जागरूक और संवेदनशील बनाएं। राज्यपाल श्री पटेल आज भोपाल में राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एक से 7 अक्टूबर 2024 तक आयोजित वन्य जीव सप्ताह की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत कर बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित जनों को वन्य जीव संरक्षण की शपथ भी दिलाई। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारा संविधान पर्यावरण के संरक्षण, वन और वन्य जीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रदान करता है। मौलिक कर्तव्यों के तहत प्रत्येक



नागरिक से पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान की अपेक्षा करता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के हिसाब से देश के सबसे बड़े वन क्षेत्र होने गौरव

प्राप्त है। बच्चों के अलावा, तेंदुए, घड़ियाल, चीता, भेड़िये और गिद्धों की सर्वाधिक संख्या के लिये भी प्रदेश पहचाना जाता है। हर प्रदेशवासी की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे वन और वन्य जीव

रूपी अमूल्य धरोहर को विरासत को सहेज कर भावी पीढ़ी को सौंपने में अपना योगदान दे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सदी की सबसे बड़ी त्रासदी कोविड ने हम सबको यह सबक दिया है कि हमें सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति की विविधता के प्रति श्रद्धा और सौहार्द के साथ रहना होगा। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी अपने तप त्याग और साधना से हजारों साल पहले ही इकोलॉजी तंत्र के संरक्षण के लिए प्राणियों में सद्भावना का संदेश दिया था। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वन और वन्यजीवों का विशिष्ट स्थान रहा है। विभिन्न देवी-देवताओं के वाहन वन्यजीव हैं। अनेक विधि-विधानों में भी पेड़-पौधों की आराधना होती है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह के समापन अवसर पर उपस्थित जनों को वन्य जीव संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने कार्य, और व्यवहार में शपथ का 24 घंटे और 365 दिन पालन करें।

मध्यप्रदेश में लागू होगी 'राशन आपके द्वार' योजना, घर-घर पहुंचेगा राशन -मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश के जनजातीय विकासखंडों के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई राशन आपके द्वार योजना को आने वाले समय में पूरे मध्यप्रदेश में लागू किया जाएगा। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ गुना प्रवास पर पहुंचे श्री राजपूत ने मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि जरूरतमंद व्यक्तियों को राशन मिले, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। वर्तमान में पीडीएस दुकानों में

राशन वितरण के लिए बहुत सुधार किये जा रहे हैं। गांव में बुजुर्ग लोगों को राशन वितरण के लिए यदि उनका अंगूठा का निशान सही काम नहीं कर रहा है, तो उन्हें राशन देने की व्यवस्था नॉर्मिनी के माध्यम से की जा रही है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश में कई जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विशेष रूप से ट्रायबल एरिया में राशन घर-घर पहुंचाये जाने की तैयारी की जा रही है। 'राशन आपके द्वार' के अंतर्गत राशन लोगों के घर-घर पहुंचाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। फिलहाल प्रदेश के 89 दूरस्थ ग्रामों में परिवहन के माध्यम से राशन पहुंचाया जा रहा है। अभी यह पायलट प्रोजेक्ट के

रूप में है और आने वाले समय में इसे पूरे प्रदेश में लागू करेंगे। आने वाले समय में हम गांव - गांव की जगह घर - घर राशन पहुंचाने का कार्य करेंगे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि पीडीएस सिस्टम में लगातार सुधार जारी है। जहां भी अनियमितता सामने आती है, हम तुरंत उसमें सुधार कर कार्रवाई करते हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि आने वाले समय में पीडीएस सिस्टम में बदलाव और नवाचार लागू होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण की दिशा में सतत विकास की ओर बढ़ रही है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अगरा में नि-शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री रामनिवास रावत ने कहा है कि क्षेत्र के विकास एवं बुनियादी सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिये सतत कार्य किये जा रहे हैं। श्री रावत ने श्योपुर जिले के विजयपुर के ग्राम अगरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सामान्य वन मण्डल एवं संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के तत्वावधान में आयोजित नि-शुल्क स्वास्थ्य जाँच परीक्षण शिविर को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जैसी सेवाओं का लाभ भी लोगों को मिले, इस दिशा में भी बेहतर कार्य किये जा रहे हैं। वन मंत्री



श्री रावत ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा और आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। ग्राम अगरा में आयोजित नि-शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में 715 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि-शुल्क दवा वितरित की गई। शिविर में श्योपुर जिला चिकित्सालय के 25, गजराजा मेडिकल कॉलेज के 6, कुल 31 विषय-विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा शिविर में अपनी सेवाएँ दी गईं। शिविर में चर्मरोग, बाल एवं शिशु रोग, स्त्री रोग, दंत रोग, ईएनटी, मेडिसिन, न्यूरो सर्जन, जनरल सर्जन, अस्थि रोग, नेत्र रोग और मनोरोग विशेषज्ञ चिकित्सक ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में जनसंपर्क अधिकारियों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। चाणक्य भवन स्थित द्रोणाचार्य सभागार में

प्रशिक्षण के दौरान दैनिक भास्कर के संपादक श्री सतीष सिंह ने प्रबंधन के 80-20 के फार्मूले को विभिन्न उदाहरणों के साथ समझाया। उन्होंने अखबार के फार्मूला हल्लेख यानी न्यूज ऑफ द डे के बारे में बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण खबर को प्रकाशित

किया जाता है। फ्री प्रेस के स्थानीय संपादक श्री नितेंद्र शर्मा ने कहा कि समाचार सूचना है लेकिन हर सूचना समाचार नहीं होती है। यदि वह नई है तो सूचना है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों की नौकरी सुबह 10 से शाम 5 बजे तक की नौकरी नहीं है।

श्री शर्मा ने प्रशिक्षण में आए अधिकारियों को समय के साथ चलने एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग करने की बात कही। प्रभारी अपर संचालक श्री संजय जैन ने नवागत जनसंपर्क अधिकारियों को जनसंपर्क में प्रायोगिक ज्ञान के साथ ही सैद्धांतिक ज्ञान को भी बढ़ाए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि शासन की जनहितैषी योजनाओं के बारे में जानकारी देना हमारा कार्य है, साथ ही अपने क्षेत्र में मीडिया से भी मधुर संबंध बनाकर रखें। अन्य सत्रों में विषय-विशेषज्ञ श्री सी.के. शर्मा ने मध्यप्रदेश की भौगोलिक जानकारी, सुश्री सोमा राजे ने सोशल मीडिया प्रबंधन, श्री संजय धस्मान ने विज्ञापन के आकल्पन एवं संपादन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

उच्च शिक्षा विभाग ने अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया सत्र 2024-25 के लिए समय सारणी की जारी

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा विभाग ने नवीन नीति 5 अक्टूबर 2023 के अनुरूप सत्र 2024-25 के लिए अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया के लिए समय सारणी जारी की है। इसके अनुसार वर्तमान में आमंत्रित अतिथि विद्वानों को स्थल परिवर्तन की सुविधा, नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदकों के प्रोफाइल अद्यतन एवं दस्तावेज अपलोड किए जा सकेंगे। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. आर.के. गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में आमंत्रित अतिथि विद्वानों को 9 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक स्थल परिवर्तन की सुविधा मिलेगी। डॉ. गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में आमंत्रित अतिथि विद्वान 9 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक अपनी अकादमिक प्रोफाइल अद्यतन एवं आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे। अपलोड अद्यतन दस्तावेजों का सम्बंधित अग्रणी महाविद्यालय में 9 से 15 अक्टूबर तक सत्यापन कराना होगा। आमंत्रित अतिथि विद्वानों को स्थल परिवर्तन के लिए 16 से 23 अक्टूबर तक विकल्प भरने के अवसर उपलब्ध रहेंगे। स्थल परिवर्तन के लिए कार्यरत अतिथि विद्वानों को वरीयता के अनुसार 24 अक्टूबर को महाविद्यालय आवंटित होंगे। अतिथि विद्वान 24 से 30 अक्टूबर तक स्थल परिवर्तन के लिए आवंटित महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे और महाविद्यालय पोर्टल पर अतिथि विद्वानों की ज्वाइनिंग दर्ज करा सकेंगे। डॉ. गोस्वामी ने बताया कि अतिथि विद्वान के लिए नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदकों के प्रोफाइल अद्यतन एवं दस्तावेज अपलोड की प्रक्रिया 25 अक्टूबर से 6 नवंबर तक होगी।

भोपाल में बनेगी माँडल सड़क, जिसका मटेरियल रियूज करेंगे

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की 11 मील से बंगरसिया तक 6 किमी सड़क प्रदेश में माँडल बनेगी। इस सड़क में एफडीआर (फुल टैथ रिक्लेमेशन) टेक्नोलॉजी का उपयोग होगा। यानी, मौजूदा सड़क के मटेरियल को रियूज किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी जल्द सड़क बनाना शुरू करेगा। 11 मील से बंगरसिया तक की सड़क को हालत खराब है। चूँकि, यह सड़क धार्मिक नगरी भोजपुर को जोड़ती है। इसलिए हर रोज हजारों लोग परेशान होते हैं। भोजपुर में दुनिया का सबसे बड़ा शिबलिंग है। यहाँ हर साल भोजपुर महोत्सव भी मनाया जाता है। जिसमें देश-विदेश के कवि, साहित्यकार और टीवी-फिल्म कलाकार भी शामिल होते हैं, लेकिन 6 किमी लंबी सड़क के गड्ढे



उन्हें परेशान कर देते हैं। ऐसा ही श्रद्धालुओं के साथ भी होता है, लेकिन आने वाले कुछ महीनों बाद सड़क की तस्वीर ही बदल जाएगी। 11 मील से बंगरसिया तक सड़क बनने से रायसेन, विदिशा, बैतुल समेत कई जिलों के लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी। पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर

संजय मस्के ने बताया, भोपाल के 11 मील से बंगरसिया तक फोरलेन बना रहे हैं। इसमें नई एफडीआर तकनीक का उपयोग करेंगे। सड़क को तोड़ने में जो भी मटेरियल निकलेगा, उसे रियूज करेंगे। यह प्रदेश में माँडल रोड बनेगी। जल्द ही काम की शुरुआत कर देंगे। 6

किलोमीटर में करीब 200 पेड़ भी कटेगे। ज्यादातर पेड़ यूकेलिप्टस के हैं। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने वन विभाग को 80 लाख रुपए भी जमा किए हैं। अनुमति नहीं मिलने की वजह से पेड़ नहीं काटे जा सके थे। फुल डैथ रिक्लेमेशन (एफडीआर) एक रिसाइकलिंग पद्धति है।

विचार

त्रासदी अकेलेपन की

दिल्ली के वसंत कुंज इलाके के चौहान मोहल्ले में रहने वाला हीरालाल तीसरी मंजिल के 2 कमरों के छोटे से फ्लैट में रहता था। उसकी 4 बेटियां थीं। सबसे बड़ी 26 साल की थी और सबसे छोटी 20 साल की थी। सभी बेटियां ग्रेजुएट थीं। हीरालाल एक अस्पताल में बढ़ई का काम करता था, लेकिन जनवरी में अचानक उसने नौकरी छोड़ दी थी। बताया जाता है कि उसकी चारों बेटियां दिव्यांग थीं। हीरालाल की पत्नी की मृत्यु एक साल पहले हो गई थी। वह काम पर जाने से पहले बेटियों के लिए खाना बनाता था, उन्हें खिलाता था। उनके दूसरे काम करता था। फिर लौटकर भी खाना बनाता था, उन्हें खिलाता था। एक दिन एक सफाई कर्मचारी को महसूस हुआ कि हीरालाल के घर से बदबू आ रही है। उसने दरवाजा खटखटाया, मगर दरवाजा किसी ने नहीं खोला। मकान मालिक ने भी आकर दरवाजा खोलने की कोशिश की मगर दरवाजा नहीं खुला। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आकर दरवाजा तोड़ा। अंदर जाकर देखा तो एक कमरे में हीरालाल का शव पड़ा था। दूसरे कमरे में चारों बेटियों का। वहां कई गिलास भी मिले और सल्फास के पैकेट भी। पुलिस का अनुमान है कि सभी ने सल्फास खाकर आत्महत्या की है। पड़ोसियों ने बताया कि हीरालाल बहुत चुप रहता था। पत्नी की मृत्यु के बाद वह और अधिक चुप हो गया था। वह अक्सर अपनी बेटियों को अस्पताल ले जाता दिखता था। कोई उससे बातचीत करने की कोशिश भी करता, तो वह बात न करता। यही नहीं अगर कोई उसके घर भी जाए, तो दरवाजा नहीं खोलता था। उसकी बेटियां अक्सर घर में रहती थीं और लेटी रहती थीं। पत्नी की मृत्यु के बाद हीरालाल और भी अकेला हो गया था। उसके भाई की पत्नी ने बताया कि वह अपने रिश्तेदारों और परिवार के अन्य लोगों से भी बात नहीं करता था। यहां तक कि फोन भी नहीं उठाता था। एक बार उसका भाई उससे मिलने आया, तो उसके लिए भी उसने दरवाजा नहीं खोला। यह भी कहा कि वह अपनी बेटियों को बहुत प्यार करता था और उनकी जरूरतों को पूरा करता था। एक बेटी जिसे देखने की समस्या थी, उसने एक दिन उससे कहा कि वह उसे छोड़कर न जाए तो उसने नौकरी छोड़ दी थी। अंतिम बार हीरालाल सी.सी.टी.वी. फुटेज में एक पैकेट लिए दिखता है, जिसमें पुलिस के अनुसार शायद मिठाई थी। हीरालाल इस इलाके में 2018 से रह रहा था। मूल रूप से वह बिहार का रहने वाला था। 6 लोगों के परिवार का ऐसा करुण अंत, पहले मां बीमारी से चली गई और पिता शायद इस दुख को नहीं संभाल पाया कि कल को अगर उसे कुछ हो जाता है, तो उसकी चारों दिव्यांग बेटियों का क्या होगा इसलिए उसने सबकी जीवन लीला समाप्त करने की सोची होगी। हमारे समाज में जहां किसी साधनहीन, स्वस्थ व्यक्ति का ही जीना दूभर है, वहां निश्चित रूप से गरीब परिवार की इन चारों विकलांग बच्चियों का क्या होता। ये बच्चियां पढ़ी-लिखी थीं। शायद किसी की सही गाइडलाइन मिली होती और मदद भी, तो हो सकता है किसी न किसी प्रकार अपने पांवों पर भी खड़ी होतीं।

भारत के संदर्भ में हमें गढ़ने होंगे अपने विमर्श

प्रह्लाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रतार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। यह, विमर्श गढ़ने वाले व्यक्ति द्वारा किन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इसे गढ़ा जा रहा है, पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए कुछ देशों के संबंध में प्रायः कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे, अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्यतः व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के संबंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है।



इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं ये देश भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। भारत की प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई है और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीन आसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में शुभ लाभ की विचारधारा पर कार्य किया जाता है। परंतु, पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुकसान क्यों नहीं उठाना

पड़े, इसे शुद्ध लाभ की संज्ञा दी जाती है। और, इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से शून्य लाभ के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंततः व्यापार ही समाप्त होने की ओर आगे बढ़ जाता है। पश्चिमी एवं अन्य कई देशों में आज पूंजीवाद की विचारधारा को ही अपना लिया गया है। जिसके परिणामस्वरूप केवल लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार करने वाली अमेरिकी कम्पनियों की सम्पत्ति आज कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली माइक्रोसॉफ्ट नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 3.126 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। एप्पल नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 2.65 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। एमेजोन नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 1.87 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। इसी प्रकार, मेटा नामक अमेरिकी कम्पनी की सम्पत्ति 1.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। अमेरिका ने अधिकतम लाभ अर्जन को मुख्य उद्देश्य मानकर पूंजीवाद को बढ़ावा दिया जिससे आज अमेरिका कई अरबपति बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वर्ग बन गया है और इन अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सम्पत्ति कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। ब्रिटेन, कनाडा,

फ्रान्स आदि जैसी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास है। भारतीय परम्परा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांटकर समाज में अति पिछड़ा वर्ग को मदद हेतु भी एक हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि अति गरीब वर्ग भूखा न रहे। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का संचार करते हैं। इसी कारण से आज विश्व भर में फैले आतंकवाद से निपटने में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। अतः भारतीय सनातन संस्कृति को पूरे विश्व के हितार्थ समस्त देशों को अपनाना चाहिए, आज यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है।

पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। इसीलिए भारत ने विश्व में दिलों को जीता है एवं कभी भी किसी देश पर आक्रमण करते हुए उनकी भूमि के एक इंच हिस्से पर भी अपना कब्जा नहीं जमाया है। साथ ही, भारत में संयुक्त परिवार ही भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है। पश्चिमी देशों में तो आज संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां पर सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिखाई दे रहा है। इन देशों में तलाक की दर बहुत अधिक है और इन देशों में नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को एक पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती है। बुजुर्ग दम्पति अपने अंतिम समय पर बहुत पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसा की प्रवृत्ति बढ़ रही है एवं छोटे छोटे बच्चे डीप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। उक्त प्रकार की कई सामाजिक बुराईयों ने इन देशों में अपना घर बना लिया है। भारत ने विश्व का दिल जीता है एवं भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है, सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के छद्म में है जैसे विमर्श आज हम भारतीयों को गढ़ने की जरूरत है।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय, यह भारतीय विचारधारा है। हिंदू एक जीवन पद्धति है इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। धर्म का आशय अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से है। जबकि कई बार हिंदू शब्द को धर्म से जोड़ दिया जाता है और हिंदू को एक अलग धर्म मान लिया जाता है। हिंदू राष्ट्र भारत की संकल्पना है।

अतः आज यदि कुछ विदेशी शक्तियां भारत के विरुद्ध झूठे विमर्श गढ़ने में व्यस्त हैं तो भारत को भी अपने बारे में सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ने की महती आवश्यकता है। भारतीय सनातन संस्कृति तो इस धरा पर उपस्थित समस्त जीवों के भले की बात करती है, इसीलिए भारत में पर्वत, नदी, पेड़, पौधों, जंतुओं आदि को भी पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। परंतु, दुर्भाग्य से आज पूरे विश्व में हिंसा व्याप्त है। इस हिंसा को केवल और केवल भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपना कर ही रोक जा सकता है। भारत के बारे में वास्तविक एवं सत्य पर आधारित विमर्श को गढ़कर, इस विमर्श के माध्यम से विश्व के अन्य देशों के नागरिकों को भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

इसराइल और हमारास के भीषण आतंकी हमले का एक वर्ष पूरा

नीरज कुमार दुबे

इजराइल पर हमारास के भीषण आतंकी हमले को आज एक साल पूरा हो गया। इजराइलियों ने आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को याद किया और बंधकों की शीघ्र रिहाई के लिए प्रार्थना की। हम आपको याद दिला दें कि एक साल पहले हमारास के आतंकवादियों ने 7 अक्टूबर को इजराइल में रॉकेट हमलों के अलावा जमीनी हमले भी किये थे। हमारास के आतंकवादियों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और लगभग 250 बंधकों को वध गाजा ले गए थे। इसी हमले की याद में यरूशलम में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर के बाहर, बंधकों के परिवारों के नेतृत्व में लगभग 300 लोगों ने अपने प्रियजनों की तस्वीरें लेकर मृतकों के लिए एक मिनट का मौन रखा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम अभी भी पिछले साल हुए हमले के गम में हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम खुद को, अपने प्रधानमंत्री को और इजराइल की जनता को यह याद दिलाने के लिए इस दिन की शुरुआत एक साथ करना चाहते थे कि भले ही यह दुःख का दिन है, फिर भी बंधकों को वापस लाने का हमारा मिशन जिंदा है। इसके अलावा, रीम स्थित संगीत समारोह स्थल जहां 360 से अधिक लोग मारे गए थे और दर्जनों को बंधक बना लिया गया था, वहां आयोजित कार्यक्रम की राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने अध्यक्षता की। यहां समारोह में एक साल पहले पार्टी में बजाए गए आखिरी ट्रैक को

फिर बजाया गया। राष्ट्रपति हर्ज़ोग ने कहा, हम हमेशा याद रखेंगे कि किसने अपहरण किया, किसने हत्या की, किसने बलात्कार किया, किसने कत्लेआम किया। साथ ही, हमने असाधारण धैर्य भी देखा है। हमारे पास अद्भुत लोग हैं और हम मजबूती के साथ खड़े हैं। हम आपको बता दें कि इजराइली सेना और पुलिस ने कहा है कि सुरक्षा बल आज पूरे देश में हाई अलर्ट पर हैं क्योंकि उन्हें 7 अक्टूबर, 2023 की सालगिरह के दिन संभावित फिलिस्तीनी हमलों की आशंका थी। रिपोर्टों के मुताबिक, इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में आवाजाही आज बाधित है साथ ही प्रवेश परमिट रखने वाले कुछ फिलिस्तीनियों को उनके मोबाइल फोन पर नोटिस मिला है कि उन्हें सोमवार को इजराइल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। हम आपको बता दें कि गाजा में 101 इजराइली अब भी बंधक बने हुए हैं। इजराइली सेनाएं क्षेत्र पर हमारास के शासन को खत्म करने और उसकी सैन्य क्षमताओं को ध्वस्त करने के अपने मिशन पर लगातार आगे बढ़ रही हैं। लेकिन युद्ध का ध्यान तेजी से उत्तर की ओर लेबनान में स्थानांतरित हो गया है, जहां ईरान समर्थित हिज्बुल्ला समूह द्वारा मिसाइलों की बौछार शुरू करने के बाद से इजराइल की सेना गोलीबारी कर रही है। सीमित दैनिक संघर्ष के रूप में जो चीज शुरू हुई थी वह बेरूत में हिज्बुल्लाह के गढ़ पर बमबारी और सीमावर्ती गांवों में जमीनी हमले में बदल गयी। इजराइल के हमले में पिछले



दो हफ्तों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इसके अलावा दक्षिणी लेबनान से बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हो गया है, जहां 1 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल ने 1 अक्टूबर को दूसरे ईरानी हमले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उसने कड़ी प्रतिक्रिया देने की कसम खाई है। इजराइली हवाई हमलों में हमारास और हिज्बुल्ला नेताओं के मारे जाने के जवाब में ईरान ने जब इस सप्ताह इजराइल पर 180 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल दागी थीं तो कुछ लोग तेहरान की इस जोरदार

प्रतिक्रिया को देखकर दंग रह गये। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुरंत एक निश्चित समय पर कठोर जवाबी कार्रवाई की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि देर रात जब उनके सुरक्षा मंत्रिमंडल ने बताया कि इजराइल ने 1 अक्टूबर को दूसरे ईरानी हमले पर अभी तक कोई भी हम पर हमला करेगा, हम उस पर हमला करेंगे। इसलिए यह देखा जा रही है कि इजराइल की जवाबी कार्रवाई कैसी हो सकती है और क्या ईरान व इजरायल के बीच युद्ध की शुरुआत हो सकती है या फिर अमेरिका अपने वादे के अनुरूप इजराइल के लिए युद्ध में शामिल हो सकता है? वैसे देखा

जाये तो क्षेत्रीय युद्ध अब लगभग शुरू हो चुका है। लगभग एक वर्ष पहले गाजा में शुरू हुआ संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल चुका है। इजराइल अपनी सीमा से दूर देशों और समूहों से लड़ रहा है, जिसके कई वैश्विक परिणाम भी हैं। ईरान द्वारा किये गये हमले से ये साफ है कि यह संघर्ष एक तरफ इजराइल व उसके पश्चिमी सहयोगियों और दूसरी तरफ रूस व चीन द्वारा समर्थित ईरान और उसके सहयोगियों के बीच सीधा टकराव बन गया है। अमेरिका ने इजराइल को सैन्य और कूटनीतिक सहायता प्रदान करने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जबकि रूस ने ईरान को लड़ाकू विमान और वायु रक्षा तकनीक भेजने का वादा किया है। रूस, यूक्रेन के साथ अपने युद्ध के लिए ईरान से हथियार भी खरीद रहा है, जिससे तेहरान को बहुत जरूरी नकदी प्राप्त हो रही है। दूसरी ओर, इजराइल कई मोर्चों पर जंग लड़ रहा है। सबसे पहले इजराइल और गाजा के बीच युद्ध जारी है। इस युद्ध में 40,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। हमारास एक गुरिल्ला संगठन बन चुका है हालांकि अब भी विस्थापित फिलिस्तीनी आबादी पर उसका कुछ नियंत्रण है।

इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) वेस्ट बैंक में बंदूकी आतंकी घटनाओं से पार पाने के लिए ईरान द्वारा स्थानीय हथियारों और वित्तपोषित मुस्लीम आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है। इस बीच इराक व सीरिया में शिया उग्रवादी और यमन में हूती विद्रोही अभी भी इजराइल के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि शिया और हूती ईरान के अन्य छद्म समूह हैं। वहीं इजराइल और अमेरिका दोनों ने यमन में हूती विद्रोहियों पर जवाबी हमला किया है। इजराइल ने दो सप्ताह पहले एक निर्णायक कदम उठाते हुए हिज्बुल्ला द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हजारों पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोट करने का आदेश दिया क्योंकि नेतन्याहू को डर था कि इस ऑपरेशन के उजागर होने का खतरा है।

शारदीय नवरात्रि पर जमुनिया विद्यालय में कन्या भोज

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (एजेसी)। अनूपपुर जिले के संकल उच्छ्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक अनूपपुर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक पाठशाला जमुनिया में शारदीय नवरात्रि की पंचमी के शुभ अवसर पर माता स्कंदमाता के पूजन के उपलक्ष्य पर मातृशक्ति के रूप में कन्याओं को मध्यांतर के समय कन्या भोज के रूप में विद्यालय में नवाचार करते हुए अत्यन्त समस्त बालक बालिकाओं को माता रानी के जयघोष के साथ ही हलवा,पूरी सब्जी,केला,मिष्ठान का भोजन के रूप में भरपेट प्रसाद का वितरण किया गया।तदोपरांत समस्त प्रसाद ग्रहण करने वाले बच्चों और छात्राओं का



चरण स्पर्श कर भेट स्वरूप गिलास और दक्षिणा भी प्रदान किया गया। इस नवाचार से विद्यालय के बच्चों में बहुत उत्साह देखने को मिला माता भवानी से प्रार्थना किया गया कि बच्चों के शिक्षा में निरंतर प्रगति हो, स्वास्थ्य रहे और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। आयोजन में संकल प्राचार्य एस.एल. बहलिया,व्याख्याता राकेश कुमार बाधवा, शिक्षक अर्चना मिश्रा ,सहायक शिक्षक जयमती धुर्वे, सृष्टि लता खलको, माध्यमिक शिक्षक रमाकांत द्विवेदी, संपत मिश्रा, स्नेहा, पूनम कुशवाहा, हेतराम साहू,जन शिक्षक संजय नामदेव, रामप्रकाश पटेल एवं रसोइया सुभद्रा कहार आदि द्वारा संपन्न कराया गया।

सचिन तेंदुलकर ही नहीं लारा भी आएंगे रायपुर



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग रायपुर में होने जा रहा है। रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर क्रिकेट खेलते दिखेंगे। सिर्फ सचिन ही नहीं डायन लारा, शेन वॉटसन और जॉन्टी रॉड्स जैसे कई स्पॉट्स लिजेंड रायपुर पहुंचने वाले हैं।

ये मैच 17 नवंबर से शुरू होकर से 8 दिसंबर, 2024 तक खेले जाएंगे। डी.वाई. नवी मुंबई के पाटिल स्टेडियम में चार मैच के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। 17 नवंबर को भारत और श्रीलंका के बीच एक जोरदार मुकाबला होगा। इसमें सचिन तेंदुलकर और कुमार संकरा आमने-सामने होंगे। 21 और 24 नवंबर के इस सीरीज के मैच लखनऊ में होंगे। इसके बाद सारे मुकाबले रायपुर में ही खेले जाएंगे।

T-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले: सचिन संपत इंडियन क्रिकेट टीम के पुराने सितारे जैसे

सरगुजा में नाबालिग के कपड़े उतरवाए, फिर लाठी-डंडे बरसाए

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)।छत्तीसगढ़ के सरगुजा में एक नाबालिग लड़के को अर्धनग्न कर पीटा गया है। पिटाई के वक्त कुछ लोगों ने वीडियो भी बनाया है। आरोपियों ने पिटाई के बाद वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है। मारपीट का वीडियो आने के बाद कांग्रेस ने साय सरकार पर हमला बोला है। वीडियो 5 दिन पुराना बताया जा रहा है। कांग्रेसियों ने इसे सोशल मीडिया साइट इंस्टा पर पोस्ट कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थकों ने अंबिकापुर के जिस वीडियो को छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री आईडी से पोस्ट किया है, उस वीडियो में कुछ युवक एक नाबालिग को छत पर ले गए हैं। छत पर उसकी बेदम पिटाई करते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि नाबालिग गांजा पीने का

आरोपियों की पुलिस ने की पहचान: सरगुजा एएसपी अमोलक सिंह ने कहा कि वीडियो की जांच की जा रही है। मारपीट करने वालों की पहचान कर ली गई है। वे गांधीनगर थाना क्षेत्र के हैं। पीड़ित का पता नहीं चला है। पीड़ित की पहचान होने के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

बलौदाबाजार में चैन माउंटेन से रेत खनन की आशंका



विधायक ने की प्रतिबंध लगाने की मांग,10 अक्टूबर से रेत घाट फिर से खुलेंगे

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)।बलौदाबाजार जिले के कसडोल विधायक संदीप साहू ने जिले के रेत खदानों में चैन माउंटेन मशीन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने कलेक्टर से मांग की है। उन्होंने सोमवार को कलेक्टर दीपक सोनी को ज्ञापन सौंपा।

विधायक ने अवैध खनन, बिना पास के रेत खुदाई, और स्विकृत क्षेत्र से बाहर रेत खनन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही, उन्होंने पीट पास की प्रक्रिया की जांच कराने का आग्रह भी किया। विधायक का कहना है कि इन खनन गतिविधियों से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है और स्थानीय लोगों के जीवन का भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अवैध खनन पर प्रतिबंध की

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

मीडिया ऑडिटर, चिरमिरी (एजेसी)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्टर कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए।

आज के जनदर्शन में आवेदक तेजकुवर निवासी डोमनापारा ने जाति, आय, निवास जमा करने के सम्बन्ध में, विकास पाण्डेय निवासी मनेन्द्रगढ़ इगाराखंड नगर पंचायत में पिछले दो महीने से पीएचई व्दारा बंद पानी सप्लाई के सम्बन्ध में, विकास पाण्डेय निवासी मनेन्द्रगढ़ टी.बी. टॉवर रोड मनेन्द्रगढ़ वार्ड क्रमांक 16 स्थित बदन सिंह तालाब के सफाई के सम्बन्ध में, धरमपाल निवासी चौनपुर

रोजगार कैम्प का आयोजन

मीडिया ऑडिटर, चिरमिरी (एजेसी)। जिला ग्रामीण विकास प्रशासन योजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से तीन विकासखण्ड - मनेन्द्रगढ़, खडगवां और भरतपुर में रोजगार कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। यह आयोजन श्री संतोष कुमार, भर्ती अधिकारी के निदेशानुसार किया जा रहा है। विकासखण्ड खडगवां में 10 और 11 अक्टूबर को जनपद पंचायत खडगवां में, और 22 अक्टूबर को गवर्मेट आईआईटी कॉलेज, बचारापोड़ी, चिरमिरी में सुबह 10 बजे

तहसील कार्यालय में पदस्त बाबू संजय माझी पद सहायक ग्रेड -3 के व्दारा ऋण पुस्तिका गायब करने के सम्बंध में, बाबूलाल भूमि के सम्बंध में, सूर्यभान सिंह निवासी सिगुड़ी पंचायत के पुल निर्माण कार्य में किए गए कार्य की राशि का भुगतान न किए जाने के सम्बंध में, सुरेश साहू श्रम सम्मान राशि प्रदाय करने के सम्बंध में, सरोज जायसवाल निवासी नागपुर नलजल मिशन के तहत कराए गए काम का भुगतान पंचायत सचिव के व्दारा नहीं दिए जाने के सम्बंध में, सुशीला कोठारी निवासी मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका व्दारा निर्मित नाले के कारण लोगों के जान माल के लिए उत्पन्न खतरनाक स्थिति के सम्बंध में, मण्डल राम निवासी पोड़ा झोरकी पीपम आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाली लाभ से रोजगार सहायक के व्दारा वंचित रखे जाने के सम्बंध में, हरिदयाल सिंह निवासी खडगवां भूमि के सम्बंध में, अर्जुन सिंह निवासी कछोड़ भूमि के सम्बंध में।

से शाम 4 बजे तक कैम्प आयोजित किया जाएगा। मनेन्द्रगढ़ में 14 और 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में, 21 अक्टूबर को गवर्मेट आईआईटी कॉलेज मनेन्द्रगढ़ में, और 24 अक्टूबर को शासकीय विवेकानंद पी.जी. कॉलेज मनेन्द्रगढ़ में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रोजगार कैम्प होंगे। भरतपुर में 16 और 18 अक्टूबर को जनपद पंचायत भरतपुर में, और 23 अक्टूबर को गवर्मेट आईआईटी कॉलेज भरतपुर (जनकपुर) में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कैम्प आयोजित किया जाएगा।

रायगढ़ में नदी किनारे बन रही थी अवैध शराब



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आबकारी विभाग ने भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब नष्ट किया है। कुरुकुट नदी के किनारे एक झोपड़ी में अवैध शराब बनाई जा रही थी। आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है। सूचना मिली थी कि पुजिपथरा क्षेत्र के बिलासखार में कुरुकुट नदी के किनारे भारी मात्रा में अवैध शराब बनाई जा रही है। शराब तस्कर इसे बनाकर आस-पास के गांवों में बेचने वाले हैं। जिसके बाद आबकारी उपनिरीक्षक अन्य स्टाफ के साथ मोके पर दबिश दी। शराब तस्कर दूर से आबकारी टीम को आता देख भाग निकले। जहां चूल्हा भंडी और महुआ शराब मिला।

रायगढ़ में फैक्ट्री तक नहीं पहुंचा 40 लाख का कोयला,कोरबा से लोड कर चांपा में बेचा कोयला, ट्रक का जीपीएस हटाकर धोखाधड़ी

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)।छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कोरबा से कोयला भरकर आए दो ट्रक अदानी पावर प्लांट नहीं पहुंचे। ट्रक मालिकों ने चांपा में कोयला बेच दिया। मामले की जानकारी मिलने पर फैक्ट्री के सुरक्षा गार्ड ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है। अडानी पावर प्लांट के सिक्वोरिटी गार्ड धर्मेन्द्र पाठक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि, कोरबा के कुसमुंडा क्षेत्र से अदानी पावर लघु भण्डारण कोयला ट्रक क्रमांक सीजी 15 एसी 4037 चालक बबलू नितिन 31,270 टन कोयला लेकर और दूसरा ट्रक क्रमांक सीजी 12 बीपी 8610 चालक श्रवण कुमार 37,450 टन कोयला लेकर निकला था। लेकिन रास्ते में ट्रक से जीपीएस सिस्टम को निकाल दिया गया। उसे



वाहन मालिक ओमी साहू ने अपनी कार में लगाकर जो निर्धारित रास्ता है, उस रास्ते आने लगे। इसके बाद दोनों ट्रक में लोड कोयले को चांपा के प्रकाश उद्योग के नजदीक किसी प्लांट में कोयले को बेच दिया। उसमें डस्ट डालकर ले आए।

ट्रक में कोयला के साथ डस्ट मिला लिए: जब प्लांट आने पर रास्ते में सिक्वोरिटी गार्डों ने ट्रक की जांच की, तो उसमें कोयले के साथ डस्ट मिला था। ओमी के कार में

जीपीएस सिस्टम मिला। इसके बाद सिक्वोरिटी गार्डों ने ट्रक ड्राइवरों से पूछताछ की, तो उनसे पता चला कि, ओमी साहू और उसका साथी यश शुक्ला के कहने पर वे चांपा के प्लांट में बेच देते थे। इस तरह वो करीब 40 लाख रुपए का कोयला बेच चुके हैं।

लोकेशन से बचने जीपीएस कार में लगा देते:

पूछताछ में पता चला कि, पहले भी इस तरह उन्होंने किया है। कार में जीपीएस को लगा देते थे। जिससे ट्रक का लोकेशन नहीं मिल सके। मामले की जानकारी मिलने के बाद सिक्वोरिटी गार्ड ने पुसौर थाने में इसकी सूचना देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। जहां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 316(3) 318(4), 315(5) बीएनएस के तहत अपराध केस दर्ज कर जांच जुट गई है।

भगवा पार्टी की शिकायत को अगर जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया होता, तो गुजरात पुलिस की जगह मप्र शासन द्वारा कार्यवाही की जाती- कमलेश द्विवेदी

भोपाल में 1,814 करोड़ की ड्रम फैक्ट्री का पर्दाफाश का मामला

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (एजेसी)। भारतीय गण वर्ता पार्टी (भगवा पार्टी) अनूपपुर के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने एक विज्ञापित जारी करते हुए बताया कि भोपाल में 1814 करोड़ की ड्रम फैक्ट्री का पर्दा फास मध्य प्रदेश सरकार की ड्रम नीति की पोल खोल कर रख दी है क्योंकि अगर भारतीय गण वर्ता पार्टी के द्वारा भोपाल जिला प्रशासन को पहले ही अमाह किया गया था कि उक्त फैक्ट्री में अवैध

के कानून व्यवस्था पर एक दाग नहीं लगाता ज्ञात हो की गुजरात की पुलिस के द्वारा भोपाल में 1814 करोड़ की ड्रम फैक्ट्री का पर्दाफास करने से चार दिन पहले ही फैक्ट्री की प्रदूषण और संदिग्ध गतिविधियों को लेकर कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाकांत शुक्ला के निर्देश पर भोपाल जिला कलेक्टर को भगवा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार भागवत ने पत्र लिख कर कार्यवाही की मांग की थी

भोपाल में 1,814 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन (एमडी) ड्रम की अवैध फैक्ट्री का खुलासा पूरे देश को हिला देने वाला है। गुजरात एटीएस और दिल्ली नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की

संयुक्त कार्रवाई में बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र स्थित इस फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में ड्रम और कच्चा माल जन्म किया गया। जांचकर्ताओं के अनुसार, इस ड्रम से 18 लाख से ज्यादा युवाओं को नशे की लत लगाई जा सकती थी। गुजरात एटीएस ने नासिक के सान्याल बाने, भोपाल के अमित चतुर्वेदी और मंदसौर के हरीश आजा का को गिरफ्तार किया है। सान्याल पहले से ही ड्रम मामले में सजा काट चुका था और कुछ समय पहले ही जेल से बाहर आया था। इस फैक्ट्री में इंदौर और उज्जैन से आकर कच्चे माल से प्रतिदिन 25-30 किलो ड्रम तैयार किया जा रहा

था।जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री का वॉटलेशन सिस्टम असामान्य था, जिसने जांच टीम के शक को बढ़ाया। गुजरात एटीएस की टीम ने फैक्ट्री पर एक महीने तक निगरानी रखी, जिसके बाद छापेमारी की गई।

इस ऑपरेशन से पहले भगवा पार्टी ने फैक्ट्री के संदिग्ध गतिविधियों और प्रदूषण को लेकर चार दिन पहले ही भोपाल जिला कलेक्टर को पत्र लिखा था।

अनूपपुर जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने बताया कि अगर जिला प्रशासन ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया होता, तो मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा ही इस फैक्ट्री पर कार्रवाई की

जा सकती थी। उन्होंने इसे भोपाल प्रशासन की बड़ी चूक बताते हुए इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। यह ऑपरेशन भोपाल और पूरे देश में अवैध ड्रम के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्यवाही है, लेकिन इस फैक्ट्री की संदिग्ध गतिविधियों पर समय रहते ध्यान न दिए जाने के कारण प्रशासनिक तंत्र की कार्यक्षमता पर सवाल उठे हैं।

छत्तीसगढ़ में पांच दोस्तों की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। कोंडागांव जिले में 3 और सकी जिले में 2 दोस्तों की मौत हो गई। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि पहला हादसा जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर हुआ। यहां भैरव मंदिर के पास तीन दोस्त बाइक पर सवार होकर बोरगांव जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल (कुमारी सिंग) को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान फूलसिंह बघेल (45), छबी लाल गोंड (38) और कुमारी सिंग (40) के रूप में हुई है। दूसरा हादसा सकी जिले के हंसौद थाना क्षेत्र में हुआ। यहां एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया। वहीं, हंगामे ने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया और ग्रामीणों को समझावुझाकर मामला शांत कराया।

महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्लिजा को मिली हार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्लिजा मुफ्ती ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। इल्लिजा को नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार बशीर अहमद शाह वीरी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। 12वें राउंड की मतगणना के बाद बशीर अहमद को 31,292 वोट मिले, जबकि इल्लिजा को 22,534 वोट ही मिल सके। इस तरह बशीर अहमद ने इल्लिजा को 8,000 से अधिक वोटों से हराया। वहीं, बीजेपी के उम्मीदवार सोफी युसुफ को सिर्फ 3,468 वोट मिले, जिससे वे तीसरे स्थान पर रहे। इस सीट पर 1,475 वोट नोटा को भी मिले एक्स पर एक पोस्ट में इल्लिजा मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने लोगों के फैसले को स्वीकार कर लिया है और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके लिए प्रचार करने के लिए धन्यवाद दिया। इल्लिजा मुफ्ती ने कहा, मैं लोगों के फैसले को स्वीकार करती हूँ। बिजबेहरा में सभी से मुझे जो प्यार और स्नेह मिला है, वह हमेशा मेरे साथ रहेगा। इस अभियान के दौरान कड़ी मेहनत करने वाले पीडीपी कार्यकर्ताओं का आभार। पीडीपी के अन्य उम्मीदवारों की बात करूं तो कुपवाड़ा सीट से मीर मोहम्मद फयाज, त्राल से रफीक अहमद नायक और देवसर से मोहम्मद सरताज मदनी आगे चल रहे हैं। हालांकि त्राल और देवसर में अभी काफी राउंड की मतगणना बाकी है, लेकिन इन सीटों पर पीडीपी की बढ़त बनी हुई है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में बीजेपी को अब तक 6 सीटों पर जीत हासिल हो चुकी है और वह 23 सीटों पर आगे चल रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की है और 37 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। पीडीपी को एक सीट पर जीत मिली है

विकसित भारत का रास्ता गांव से होकर जाता है-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार गरीब और किसानों की सरकार है। यहाँ सभी को समान रूप से पात्रतानुसार सुविधाएं उपलब्ध है। गरीब एवं किसानों को प्राथमिकता से सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सड़क दुर्घटना में कोई गरीब भी घायल होता है तो उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए सरकार हेलीकॉप्टर पहुंचाएगी। यदि मृत्यु हुई तो सरकार पार्थिव देह को उसके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित लोगों को लाभान्वित करने के लिए आज से सर्वे चालू हो गया है। सभी पात्र व्यक्तियों के इस योजना का लाभ मिलेगा। क्षेत्र के विकास के लिए की गई घोषणाएं पूरी होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को सीहोर जिले के भैरूदा में ग्राम विकास सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने पीएमजीएसवाई-ड्रूड के अंतर्गत 500 कि.मी. स्वीकृत सड़कों का शुभारंभ किया तथा स्व-सहायता समूहों के लिए 150 करोड़ रूपए के बैंक ऋण व सामुदायिक निवेश राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। साथ ही 8 प्र-संस्करण इकाइयों एवं 100 सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्रों का शुभारंभ भी किया। प्रदेश के 5 नए जिलों में आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की स्वीकृति भी दी गई। कार्यक्रम में सीहोर जिले के 52818 तेंदुपात्रा संग्रहकों को 2 करोड़ 70 लाख रूपये बोनस राशि का वितरण तथा मध्यप्रदेश सरकार की बाँस मिशन योजना में 215 बाँस हितग्राहियों को 2 लाख 90 हजार बाँस पौधों की अनुदान राशि एक करोड़ 4 लाख 27 हजार रूपये का वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का पूरी दुनिया में सम्मान है। उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है और दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। दुश्मनों से उनका कहना है कि यदि आप गली फेंकोगे तो हम गोला फेंकेगे। सीमा पर जवान और खेत पर किसान, दोनों का गौरव बढ़ा है। हमारी सरकार इनके कल्याण के कार्य करती है। किसानों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रदेश के किसानों से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खरीदी जायेगी। आज भैरूदा से 8 खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों का लोकार्पण किया गया है। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी निरंतर कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार आक्रांताओं के एक-एक चिन्ह को मिटाती जा रही है। भैरूदा का नाम आक्रांताओं ने नसरुल्लागंज कर दिया था, जिसे बदलकर फिर भैरूदा कर दिया गया है। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं भी कीं। विधानसभा बुदनी के चारों नगरीय निकायों

के विकास के लिए 2-2 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की। कई नवीन मार्ग भी स्वीकृत किए। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में कृषि एवं ग्रामों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तो भैरूदा वालों की चांदी कर दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि मोहन तुम प्रदेश को प्रगति और विकास के पथ पर आगे बढ़ाते जाओ, प्रधानमंत्री श्री मोदी का आशीर्वाद और मेरा साथ तुम्हारे साथ है। क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर काम करेंगी। प्रदेश में और भी सीएम राइज स्कूल खोले जाएंगे। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से जो भाई-बहन छूट गए हैं, उनके लिए आज से सर्वे चालू हो रहा है, जो आगामी 6 माह में

पूरा कर लिया जाएगा। अब सरकार ने इस योजना में 4 शर्तों को समाप्त कर दिया है। पहले जिनके पास फोन थे, मोटरसाइकिल या स्कूटर था, 10 हजार से अधिक मासिक आमदनी थी, बाई एकडू सिंचित अथवा 5 एकड़ तक अस्सिंचित जमीन थी, उन्हें योजना में पात्रता नहीं थी। अब इन शर्तों को हटा दिया गया है। अब 15 हजार रूपये तक मासिक आमदनी वालों को भी योजना में पात्रता होगी। मूंग और सोयाबीन के बाद अब मसूर, उड़द और तुवर भी एमएसपी पर खरीदे जाएंगे। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि विकसित भारत के लिए गांवों को विकसित बनाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, नरेगा, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन सभी योजनाओं से सरकार देश के ग्रामों को विकसित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने निर्णय लिया है कि आगामी 5 साल में दो करोड़ लोगों को आवास योजना से लाभान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के प्रत्येक व्यक्ति को आवास, बिजली, शुद्ध जल देने एवं सभी आवश्यक सुविधाएं देने का संकल्प लिया है। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि सरकार देश एवं प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का कोई भी गरीब अब आवास योजना से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 01 अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) शुरू हुई थी और इस योजना के तहत मध्यप्रदेश सरकार ने लगातार लक्ष्य प्राप्त किए हैं।

जम्मू-कश्मीर में एनसी-कांग्रेस की सरकार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में पीडीपी गठबंधन ने 49 सीटों पर जीत दर्ज की। गठबंधन में शामिल नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस को 6 और सीपीआई(एम) को एक सीट मिली। सरकार बनाने के लिए 46 सीटों की जरूरत है। भाजपा ने 29 सीटें जीती हैं। पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले 4 सीटों का फायदा हुआ है। हालांकि जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रेना नौशेरा सीट से एनसी कैडिडेट से करीब 8 हजार वोटों से हार गए। उन्होंने पार्टी हाईकमान को अपना इस्तीफा भेजा है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी ने 3 सीटें जीती हैं। पिछले चुनाव में पार्टी को 28 सीटें मिली थीं। पहली बार चुनाव लड़ रही महबूबा की बेटी इल्लिजा मुफ्ती श्रीगुफनारा बिजबेहरा सीट से करीब 9 हजार से



ज्यादा वोटों से हार गई। जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी ने पहली बार जीत दर्ज की है। डोडा सीट से मेहराज मलिक ने भाजपा के गजय सिंह राणा को 4500 से ज्यादा वोटों से हराया। वहीं पीपुल्स कॉन्फ्रेंस को एक सीट पर जीत मिली। 7 पर निर्दलीय जीते। संसद पर हमले के आरोपी अफजल गुरु के भाई एजाज गुरु को सोपोर सीट पर 129 वोट मिले। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा- उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के

अगले एरुहोंगे। उमर अब्दुल्ला ने दो सीटों (बडगाम और गोंडखल) पर चुनाव लड़ा और दोनों पर पीडीपी कैडिडेट को हराया। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 3 फेज में 63.88 वोटिंग हुई थी। 10 साल पहले 2014 में हुए चुनाव में 65 वोटिंग हुई थी। इस बार 1.12 वोटिंग हुई। 5 अक्टूबर को आए एग्जिट पोल में 5 सर्वे ने एनसी कांग्रेस सरकार का अनुमान जताया था, जबकि 5 नए हंग असेंबली का दावा किया था।

मेरा नाम लेकर फोगाट तो जीत गई लेकिन कांग्रेस को डुबो दिया बृजभूषण सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस की उम्मीदवार विनेश फोगाट ने शानदार जीत हासिल की है। पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने विनेश की जीत पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर विनेश फोगाट ने मेरा नाम लेकर जीत हासिल की है, तो इसका मतलब है कि मेरा नाम काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन कांग्रेस को तो इस चुनाव में डुबो दिया। राहुल बाबा का क्या होगा? विनेश फोगाट ने भाजपा के प्रत्याशी योगेश कुमार को 6,015 वोटों से हराया। शुरुआत में विनेश योगेश से पीछे चल रही थीं, लेकिन वोटों की गिनती खत्म होते-होते उन्होंने बढ़त बना ली। इस सीट पर इनेलो के उम्मीदवार सुरेंद्र लाथेर तीसरे स्थान पर रहे, जिन्हें इस चुनाव में 10,158 वोट मिले। हरियाणा विधानसभा चुनाव 5 अक्टूबर को एक ही चरण में संपन्न हुआ था। सोशल मीडिया पर भी विनेश फोगाट की जीत की चर्चा छई हुई है। शुरुआती रणनीति में आगे-पीछे चलने के दौरान लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर रिपकट किया। एक यूजर ने लिखा, हालांकि विनेश फोगाट ओलींपिक में मेडल से चूक गई, लेकिन जुलाना की जनता ने उन्हें राजनीति में गोल्ड मेडल दिया है। कुछ यूजरस ने तो शुरुआती रणनीति के बाद ही विनेश को जीत की अग्रिम बधाई भी दे डाली। विनेश फोगाट की जीत ने न केवल कांग्रेस को मजबूती दी है, बल्कि राजनीति में उनकी पहचान को भी और मजबूत किया है।



गमालदीव के राष्ट्रपति ने पत्नी के साथ ताजमहल का किया दीदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताजमहल, जो भारत के आगरा शहर में स्थित है, न केवल देश की ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह विश्वभर में प्रेम और कला का प्रतीक भी माना जाता है। हाल ही में, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु ने अपनी पत्नी सजोदा मोहम्मद के साथ ताजमहल का दौरा किया। यह यात्रा 4 दिवसीय भारत यात्रा का हिस्सा थी, जिसमें उन्होंने भारतीय संस्कृति और ऐतिहासिक स्थलों का आनंद लिया। मालदीव के राष्ट्रपति ने ताजमहल का दीदार करते समय विजिटर बुक में इस इमारत की खूबसूरती की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ताजमहल



की सुंदरता को शब्दों में व्यक्त करना बहुत मुश्किल है, क्योंकि ऐसा करना नाइसामी होगी। उनका यह समारोह ताजमहल की भव्यता और महत्व को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुइज्जु और उनकी पत्नी का

स्वागत करने के लिए काबोना मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को आगरा एयरपोर्ट भेजा। यह स्वागत समारोह ताजमहल की भव्यता और महत्व को दर्शाता है। इस मौके पर, मुइज्जु को ताजमहल की एक छोटी प्रतिमा भी भेंट की गई, जो इस महान

इमारत के प्रति उनकी श्रद्धा को प्रकट करती है। ताजमहल की इस विशेष यात्रा के कारण मंगलवार की सुबह 8 बजे से 10 बजे तक आम पर्यटकों के लिए ताजमहल बंद रहा। इस दौरान, राष्ट्रपति मुइज्जु और उनकी पत्नी ने ताजमहल के सामने कई तस्वीरें खिंचवाईं, जो उनके इस ऐतिहासिक स्थल के प्रति उसाह और सराहना को दर्शाती हैं। ताजमहल के बाद, राष्ट्रपति और उनकी पत्नी आगरा में स्थित ओपन एयर क्राफ्ट विलेज %शिल्पग्राम% भी गए। यहां, स्थानीय ब्रज क्षेत्र के कलाकारों ने उनके स्वागत के लिए विशेष प्रदर्शन किए।

शहीदों के परिवारों का सहारा बनी पंजाब सरकार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब सरकार मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में कार्यरत है, शहीदों के परिवारों और पूर्व सैनिकों की भलाई के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में सरकार ने युद्ध या सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उन्हें एक करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत मुख्यमंत्री खुद शहीद जवान के घर जाकर परिवार के सदस्यों के साथ दुःख साझा करते हैं और उन्हें एक करोड़ रूपए का चेक सौंपते हैं। इसके साथ ही यदि परिवार की कोई अन्य मांग होती है, तो उसके लिए भी तत्काल घोषणा की जाती है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए होमगार्ड जवान जसपाल सिंह के परिवार को एक करोड़ रूपए का चेक दिया। चेक सौंपते समय



मुख्यमंत्री ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने जवानों के परिवारों की भलाई के लिए वचनबद्ध है। शहीद का पुत्र पहले ही पुलिस बल में सिपाही के रूप में भर्ती हो चुका है। जसपाल सिंह ने सुलतानपुर लोधी में ड्यूटी के दौरान अपनी जान दी थी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य

सरकार द्वारा आज एच.डी.एफ.सी. बैंक के माध्यम से एक करोड़ रूपए के बीमे की अदायगी की गई है, जबकि परिवार को पहले ही एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। यह पहल राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में शहीद के योगदान को सम्मानित करने के लिए है।

हरियाणा में बीजेपी की हैट्रिक, पार्टी ऑफिस में शुरू हुआ जश्न

नई दिल्ली: हरियाणा विधानसभा चुनाव के अब तक आए रणनीति और नतीजों में जीत का संकेत मिलने और जम्मू-कश्मीर में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की ओर बढ़ते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के यहां स्थित मुख्यालय में मंगलवार दोपहर जश्न की शुरुआत हो गई। निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा हरियाणा में छह सीट जीत चुकी थी और 44 पर उसके उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए थे। इस प्रकार वह 50 सीट पर जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। अगर नतीजे भी इसके अनुरूप आते हैं तो यह हरियाणा में भाजपा का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। हरियाणा में साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 40 और साल 2014 के विधानसभा चुनाव में 47 सीट मिली थी।

खबर लिखे जाने तक भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की 90 में से 26 सीट जीत ली थी और तीन पर उसके उम्मीदवार आगे थे। इससे पहले 2014 में हुए जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 25 सीट जीती थी और यह सभी जम्मू क्षेत्र की थीं। अपराह्न करीब तीन बजे हरियाणा में भाजपा का आंकड़ा 50 सीट पर पहुंचने के बाद भाजपा मुख्यालय में जश्न का माहौल शुरू हो गया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाए।

भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी और पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एक-दूसरे को मिठाई खिलाते नजर आए। इसके बाद, पार्टी मुख्यालय में जश्न शुरू हो गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार शाम महासचिवों की एक बैठक बुलाई है, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी यहां पहुंच सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री कार्यकर्ताओं को संबोधित भी कर सकते हैं।

एमेलिया कर के रन आउट घटनाक्रम ने खड़े किए सवाल

दुबई (एजेंसी)। दुबई में महिला टी20 विश्व कप 2024 में भारत-न्यूजीलैंड मैच के दौरान पहली पारी में एमेलिया कर को रन आउट न दिए जाने को लेकर विवाद की स्थिति पनप गई। भारतीय टीम ने 14वें ओवर में कर द्वारा रन लेने के प्रयास में रन आउट की अपील की, जिसे अपायर ने नकार दिया।

दरअसल दीप्ति शर्मा की अंतिम गेंद पर लॉग ऑफ पर शांत खेले जाने के बाद सोफी डिवाने और कर ने मिलकर दूसरा रन लेने का प्रयास किया और स्ट्राइकर एंड पर कर क्रीज तक नहीं पहुंच पाई। हालांकि दूसरे रन के लिए भागे जाने से पहले ही दीप्ति ने अपायर से अपनी कैप वापस मांग ली थी। इसका मतलब था कि गेंद डेड हो चुकी थी क्योंकि अपायर द्वारा गेंदबाज को कैप थमाए जाने के बाद गेंद को प्ले में नहीं माना जा सकता था और हरमनप्रीत कौर ने इस घटना के बाद ही गेंद को विकेटकीपर की ओर थोड़ा किया था। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सात मिनट तक के लिए खेल रुका रहा। भारतीय मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी रन आउट न दिए जाने पर निराश दिखाई दिए। वह बाउंड्री लाइन के पास चौथे अपायर के साथ चर्चा करते हुए दिखाई दे रहे थे। रन आउट की अपील नकारे जाने और सिंगल दिए जाने के बाद अगले ओवर की शुरुआत में कर को वापस स्ट्राइक पर आना चाहिए था, लेकिन उनकी जगह पर डिवाने ने स्ट्राइक लिया और सिंगल दिए जाने के बाद कर वापस स्ट्राइक पर आ गई।

बारबाडोस 2026 में, गयाना 2025 में सीपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा

त्रिनिदाद (एजेंसी)। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) ने पुष्टि की है कि बारबाडोस का प्रतिष्ठित कैरिबियन ओवल 2026 में पहली बार सीपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि गयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम 2025 के फाइनल के लिए स्थल के रूप में काम करेगा, जो प्रतिष्ठित मैच की मेजबानी करने वाला लगातार चौथा वर्ष है। यह घोषणा गत सीपीएल चैंपियन गयाना अमेज़न वारियर्स द्वारा 2024 के फाइनल में अपनी जगह पकड़ी करने से कुछ समय पहले की गई। गयाना के अध्यक्ष मोहम्मद इरफान अली ने टीम की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और 2025 के फाइनल की मेजबानी को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर गयाना अमेज़न

वारियर्स को सफलता की कामना करना चाहता हूँ क्योंकि हम लगातार दो बार से ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं। अन्य सभी टीमों के लिए, हम आपको शुभकामनाएं देते हैं क्योंकि हम एकता के साथ मिलकर खेलते हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए भी बहुत खुशी हो रही है कि गयाना सीपीएल 2025 के फाइनल की मेजबानी करेगा। सीपीएल के सीईओ पीट रसेल ने लीग के इतिहास में दोनों मेजबान देशों के महत्व पर जोर दिया। रसेल ने दोनों देशों की सरकारों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, गयाना और बारबाडोस पिछले 12 वर्षों से सीपीएल के लिए अद्भुत साझेदार रहे हैं और यह घोषणा करना वास्तव में रोमांचक है कि वे क्रमशः 2025 और 2026 में फाइनल के लिए मेजबान होंगे।

विराट कोहली ने मां सरोज के साथ किया डांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली सिर्फ अपने खेल ही नहीं बल्कि मैदान पर अपने डांस के लिए भी जाने जाते हैं। फोर्लिंग के दौरान कोहली फैंस का मनोरंजन करने के लिए थिरकते नजर आते हैं। लेकिन अब सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रही है उसमें कोहली अपनी मां सरोज के साथ डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। ये वीडियो हर किसी को पसंद आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वीडियो कोहली और अनुष्का शर्मा की शादी का है। जब दिल्ली में रिसेप्शन हुआ था, विराट कोहली ने दिसंबर 2017 में

अनुष्का के साथ शादी रचाई थी। शादी के बाद तत्कालीन भारतीय कप्तान ने दिल्ली में शानदार रिसेप्शन का आयोजन किया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि कोहली पंजाबी गाने पर डांस कर रहे होते हैं। डांस करते-करते वह अपनी मां सरोज कोहली के पास पहुंच जाते हैं और फिर वह अपनी मां को डांस के लिए उठा लेते हैं। बता दें कि, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की शादी को अब करीब 7 साल गुजर चुके हैं, मौजूदा वक में दोनों के दो बच्चे भी हैं, जहां बेटी का नाम वामिका तो बेटे का नाम अकाश है।

दिल्ली पहुंची टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्वालियर टी20 मैच जीतने के बाद टीम इंडिया मंगलवार यानी 8 अक्टूबर को दिल्ली पहुंच गई है। जहां भारतीय टीम को स्वागत डोल नगाड़ों के साथ हुआ, इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव डोल को ताप पर भांगड़ा करते हुए नजर आए। इसका वीडियो बीबीसीआई ने अपने एक्स पर शेयर किया है। बता दें कि, 9 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच ग्वालियर में पहला टी20 मैच खेला गया, जिसे भारत ने जीता और सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। वहीं फैंस को टीम इंडिया से दूसरे टी20 मैच में भी उम्मीद है कि वह बांग्लादेश को दूसरे टी20 मैच में भी हराएगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली गई थी जिसे रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने 2-0 से अपने नाम किया था। वहीं टी20 सीरीज शुरू होने से पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शांटी ने कहा था कि, टीम टी20 सीरीज को आक्रामक होकर खेलेगी। जिसके बाद पहले टी20 में बांग्लादेश की पूरी टीम 127 रनों पर ही सिमट गई। भारत ने मैच 12वें ओवर से पहले ही जीत लिया था। बांग्लादेश के कप्तान ने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के बाद अपने बैटर्स को कड़ा संदेश देते हुए कहा था कि पावरप्ले में तेजी से बैटिंग करना बहुत जरूरी है। वहीं टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने साथी खिलाड़ियों को जमकर तारीफ की थी।



मसूद-शफीक ने खेले बेहतरीन पारी



नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेले जा रही है। इस दौरान पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद और अब्दुल्ला शफीक ने मिलकर मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में जमकर गदर मचाया। पाकिस्तान ने पहला विकेट 8 रनों पर गंवाया था और दूसरे विकेट के लिए इंग्लैंड 261 रनों का इंतजार करना पड़ा। शान और शफीक ने मिलकर पाकिस्तान के लिए दूसरे विकेट और अनुष्का शर्मा की शादी को अब करीब 7 साल गुजर चुके हैं, मौजूदा वक में दोनों के दो बच्चे भी हैं, जहां बेटी का नाम वामिका तो बेटे का नाम अकाश है।

वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर ने मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ 336 रनों की साझेदारी निभाई थी, जो इस स्टेडियम पर की गई आज तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। तीसरे नंबर पर इस मामले में ब्रायन लारा और डेविन ब्रावो हैं, जिन्होंने 2006 में इसी मैदान पर 200 रनों की साझेदारी निभाई थी। सचिन और सहवाग ने जिस मैच में 336 रनों की साझेदारी निभाई थी, वह टेस्ट मैच इतिहास के पन्नों में दर्ज है। भारत ने उस मैच में पाकिस्तान को एक पारी और 52 रनों से मात दी थी। भारत ने पहली पारी पांच विकेट पर 675 रनों पर घोषित कर दी थी। वीरेंद्र सहवाग ने उस मैच में 309

रन बनाए थे, वहीं तेंदुलकर 194 रन बनाकर नॉटआउट लौटे थे। तेंदुलकर जब 194 रन पर खेल रहे थे तो उस समय टीम इंडिया के कप्तान राहुल द्रविड़ ने पारी घोषित कर दी थी जिसको लेकर बाद में काफी विवाद हुआ था। अब पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच जारी तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच की। जहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मुल्तान में पहले गेंदबाजों को पिच से बिल्कुल भी मदद नहीं मिल रही है। पाकिस्तान ने ना सिर्फ विकेट बचाए, बल्कि तेजी से रन भी बनाए। शान मसूद 151 रन बनाकर जबकि अब्दुल्ला शफीक 102 रन बनाकर आउट हो गए।

शेफाली ने कहा- पहले से बेहतर हो गई है श्रीलंका की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का मानना है कि श्रीलंका की टीम पहले से बेहतर हो गई है और उसे किसी भी तरह से हल्के से नहीं लिया जा सकता क्योंकि वह अब केवल चमारी अटपट्ट पर ही निर्भर नहीं है। भारत को महिला टी20 विश्व कप के अपने अगले मैच में बुधवार को श्रीलंका का सामना करना है जिसने उसे एशिया कप के फाइनल में हराया था भारतीय टीम को इसके बाद 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। शेफाली ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में 32 रन का योगदान देने के बाद स्टाफ स्पॉट्स से कहा, "इससे पहले उनकी तरफ से चमारी ही अधिक रन बनाती थी और विकेट लेती थी लेकिन एशिया कप में उनकी पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। उनकी टीम में काफी सुधार हुआ है और इसलिए वह एशिया कप जीतने में सफल रही।"

पूर्व दिग्गज ने दी ऑस्ट्रेलियाई टीम को सलाह, कहा- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ट्रेविस हेड से ना कराए ओपनिंग



नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने नवंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेले जाएगी। लेकिन उससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर अपनी टीम को एक बड़ी सलाह दी है। दरअसल, चैपल ने भारत के खिलाफ खेले जाने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बताया है कि उनको ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। बता दें कि, डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर ओपनर बल्लेबाज थे, लेकिन उनके रिटायरमेंट के बाद टीम में ओपनिंग स्पॉट खाली है, अभी तक टीम को बेस्ट ओपनर नहीं मिला है। हालांकि, स्टीव स्मिथ ने ओपनर की भूमिका निभाई थी लेकिन वो सफल नहीं रहे। ओपनर के तौर पर उनका औसत 30 से भी कम है, जबकि नंबर तीन और चार पर वे 60 से ज्यादा के औसत से खेलते रहे हैं। वहीं ट्रेविस हेड इस समय ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैच विनर्स में शामिल हैं, खासकर भारत के खिलाफ उनका रिकॉर्ड बेहतरीन है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल हो या वर्ल्ड कप 2023 फाइनल हो, ट्रेविस हेड की बदौलत ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत हासिल हुई थी। बावजूद इसके इयान चैपल नहीं चाहते हैं कि वे टीम के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ ओपनिंग करें। उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइंफो को लिखे अपने कॉलम में कहा कि, टेस्ट क्रिकेट में ट्रेविस हेड की ओपनिंग 50 ओवर और टी20 क्रिकेट दोनों में नई गेंद का सामना करने में उनकी बेजोड़ सफलता पर आधारित है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हेड, अपनी अत्यधिक आक्रामक शैली के साथ, खेल के दो छोटे फॉर्मेट में ओपनिंग करने के लिए आदर्श खिलाड़ी हैं।

शाकिब अल हसन खेल पाएंगे अपने घर पर विदाई टेस्ट मैच, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड कर रहा तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की टीम के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के फैंस को लिए अच्छी खबर है। दरअसल, शाकिब अपनी सरजर्मी पर अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलते हुए नजर आ सकते हैं। भारत के खिलाफ कानपुर टेस्ट मैच उनका विदाई टेस्ट मैच माना जा रहा था।

लेकिन वह आखिरी विदेशी टेस्ट कहा जाएगा, क्योंकि उनके बांग्लादेश के मीरपुर में विदाई टेस्ट सीरीज खेलने के रास्ते लगभग साफ हो चुके हैं। जो सपना शाकिब ने देखा था, वह साकार होने जा रहा है। वे अपना विदाई टेस्ट मैच अपने होम ग्राउंड पर खेलना चाहते थे और अब ये संभव लग रहा है। शाकिब अल हसन को युवा और खेल सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुईजान से मजबूत समर्थन मिला है, जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत इच्छा व्यक्त की है कि ये दिग्गज



ऑलराउंडर बांग्लादेश में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेले। भुईजान ने बांग्लादेश और

स्कॉटलैंड के बीच खेले वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मैच के दौरान कहा कि, शाकिब एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने देश के लिए बहुत योगदान दिया है। चूंकि वह बांग्लादेश में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं, इसलिए मैं व्यक्तिगत रूप से उम्मीद करता हूँ कि उन्हें वह अवसर मिले। उन्होंने कहा कि, हम अपने खिलाड़ियों को निश्चित रूप से हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा प्रदान करेंगे। अगर किसी के खिलाफ कोई आरोप है, तो वह एक अलग मुद्दा है। मैं उस टिप्पणी नहीं कर सकता, क्योंकि ये कानून मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। हालांकि, हम पहले ही शाकिब अल हसन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम उस प्रतिबद्धता का सम्मान करेंगे। इससे पहले आसिफ महमूद शोजिब भुईजान ने साफ कहा था कि शाकिब को सुरक्षा मांगने के लिए अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट करना होगा।

2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने हिटमैन को लेकर बड़ा दावा किया है। दिनेश लाड ने कहा है कि, रोहित शर्मा भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लें, लेकिन 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में वे खेलते हुए नजर आएंगे। उनका कहना है कि रोहित की उम्र बढ़ रही है और वह वनडे क्रिकेट पर फोकस करने के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड ने दैनिक जागरण से बात करते हुए कहा कि, मैं ये नहीं कह रहा हूँ कि आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद वे टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लेंगे। शायद रिटायरमेंट ले भी लें, क्योंकि जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ रही है उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि वह टेस्ट से संन्यास ले सकते हैं। इसका कारण ये भी हो सकता है कि वह वनडे क्रिकेट के लिए खुद को फिट रखना चाहते हैं। हालांकि, मैं इस बारे में 100 प्रतिशत वादा करता हूँ कि रोहित 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे। दिनेश लाड ने रोहित शर्मा के वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलने की बात कही है, क्योंकि रोहित शर्मा अपने करियर में एक वनडे वर्ल्ड कप जीतना



चाहते थे। 2011 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए वे टीम में नहीं चुने गए थे, जिसे भारत ने जीता था इसके बाद 2015 में वे टीम को वर्ल्ड कप नहीं जिता पाए, जबकि

2019 के वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के बावजूद उनकी टीम सेमीफाइनल में हार गई थी। वहीं, 2023 के वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल भारत ने गंवा दिया था।

विभिन्न टीमों के 300 से अधिक प्रतिभागी प्रतिदिन दे रहे मनमोहक प्रस्तुति

सद्गुरु नवरात्रि उत्सव में दिखे गुजरात के गरबा के रंग

मीडिया ऑडिटर, चित्रकूट (निप्र)। परमहंस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज के कर कमलों द्वारा चित्रकूट के जानकीकुण्ड में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय नेत्र सेवा संस्थान श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्री उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का समस्त आयोजन सद्गुरु महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती उषा जैन के मार्गदर्शन एवं स@लन में आयोजित हो रहा है। श्रीमती जैन ने बतलाया कि विगत लगभग 40 वर्षों से नवरात्री उत्सव सद्गुरु परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा मनाया जा रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार से माँ भगवती की आराधना का क्रम चलता आ रहा है। पहले ढोलक की थाप पर महिलाएं गरबा नृत्य कर माँ की आराधना करती थीं। समय के साथ इस पर्व का स्वरूप और बढ़ गया एवं आज सद्गुरु परिवार के छोटे-छोटे बालक-बालिकाओं के साथ सभी प्रकाप के कार्यकर्ता भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। इस वर्ष कुल



16 टीमों में 300 से भी अधिक हर उम्र के प्रतिभागी डंडिया-गरबा की प्रस्तुति नौ दिवसों तक दे रहे हैं। इनमें से कुछ टीमों का महाशुभ को फाइनल प्रतियोगिता होगी एवं शेष

की नवमी को। इस वर्ष की प्रतिभागी टीमों में नन्ही परियाँ, बालागल, सनातनी, माँ अम्बे, जगम्बे, ईश्वरी, वैशाली, विनायक, छलिया, सिद्धि, वीणावादिनी, वैदेही, अनन्ता, वैष्णवी, विराटेश्वरी एवं गुरुकृपा हैं। प्रतिदिन सर्वप्रथम सभी माताजी का थाल और आरती कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं एवं

तदुपरांत टीमों की प्रस्तुति का क्रम आरम्भ होता है। शक्ति आराधना के इस महापर्व नवरात्री पर ट्रस्टी डॉ.बी.के.जैन, डॉ. इलेश जैन एवं महिला समिति अध्यक्ष उषा जैन ने

समस्त चित्रकूटवासियों को अपनी शुभकामनायें प्रेषित की तथा प्रतिदिन आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आग्रह भी किया है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य रही सरकार



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। रामनगर के अशिका गार्डन में आयोजित महिला समेलन कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं एवं लाडली बहना योजना की हिताग्रहियों को संबोधित कर रहे थे। सांसद श्री सिंह ने कहा कि सरकार की योजनाओं में स्व-सहायता समूह की महिलायें बैंक द्वारा ऋण प्राप्त कर विभिन्न आजीविका गतिविधियां संचालित कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उनके हित के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से स्व-सहायता समूह की महिलाओं और लाडली बहना योजना की हिताग्रही को कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलवान कोल, पूर्व राज्यमंत्री रामखेलवान पटेल उपस्थित रहे।

फिला टेली दिवस पर विशेष आवरण का विमोचन

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय डाक सप्ताह के दौरान फिलाटेली दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने सतना और मैहर जिले की सीमा पर स्थित बृहस्पति कुण्ड पर विशेष आवरण का विमोचन किया। इस अवसर पर कलेक्टर सभाकक्ष में जबलपुर परिक्षेत्र के सतना प्रधान डाकघर द्वारा आयोजित समारोह में अधीक्षक डाकघर एसके राठौर, सहायक अधीक्षक श्री अमिनी, फिलाटिस्ट सुधीर जैन, मनमोहन माहेश्वरी सहित जिले के फिलाटिस्ट (डाक टिकट संग्रहकर्ता) भी उपस्थित थे।



भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी बृहस्पति कुण्ड पर आधारित विशेष आवरण के विमोचन करते हुए कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि सतना और पन्ना जिले की सीमा में बृहस्पति प्रपात के कुण्ड और जल बहाव का पूरा हिस्सा सतना और प्रपात के झरने के स्रोत का हिस्सा

पन्ना जिले में आता है। डाक टिकट और लिफाफे पर मुद्रित सामग्री पहले के जमाने में सूचना और जानकारी का बहुत बड़ा स्रोत हुआ करती थी। डाक टिकट पर मुद्रित विषय के बारे में जानकारी प्राप्त करने की जिज्ञासा हमारा ज्ञानवर्धन करती है। सतना जिले में फिलाटिस्ट को डाक टिकट संग्रह करने का जुनून अन्य स्थानों से कहीं ज्यादा देखने को मिलता है। डाक अधीक्षक एसके राठौर ने बताया कि भारतीय डाक विभाग

द्वारा पूरे देश में 7 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत र मशः मेल एवं पारसल दिवस फिलाटेली दिवस का आयोजन किया गया है। सप्ताह के दौरान 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस, 10 अक्टूबर को अंत्योदय दिवस, 11 अक्टूबर को विंतीय सशकीकरण दिवस मनाया जायेगा। रीवा संभाग में रीवा के पुरवा जल प्रपात, सतना के बृहस्पति कुण्ड सहित पूरे प्रदेश में विरासत से

विकास की ओर की थीम पर विशेष आयोजन जारी किये गये हैं। डाक टिकट हमारे मनो मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ती है। फिलाटिस्ट सुधीर जैन ने बताया कि सतना जिले की कई महत्वपूर्ण हस्तियों पर डाक टिकट जारी किये गये हैं। इनमें उस्ताद अलाउद्दीन खां, अकबर अली खां, नानाजी देशमुख, अरविंद मण्डलाल और क्वाइट टाइगर पर डाक टिकट शामिल हैं।

मैहर जिले में 65 आवेदनों पर हुई सुनवाई

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 65 आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, जिला कार्यर म एवं महिला बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान निनीता द्विवेदी पति प्रमोद कुमार निवासी सरस्वती नगर मैहर ने बताया कि उमरीपैला पटवारी हल्का 65 मैहर में आराजी नंबर 84/10 रकवा 0.010 हेक्टेयर क्षेत्रफल 1110 वर्ग फुट आराजी को कंप्यूटर में प्रार्थी का नाम दर्ज किया जाए। इसी प्रकार सुरेश कुमार चौधरी पिता सुखराम निवासी ग्राम हरदुआकला ने बताया कि भरे तीन पुत्र रमेश सुरेश एवं मुन्नु रमेश और



मुन्नु ने अपने हिस्से की भूमि बिहरा कर दी है। उक्त भूमि का सीमांकन करने का आवेदन दिया गया। राजेंद्र हरिजन पिता अर्जुन हरिजन निवासी मैहर ने बताया कि मेरी माता मुन्नी बाई का मैहर नगर पालिका में सफाई संरक्षक पद पर कार्यरत रहते हुए 27 मई 2020 को कोविड में मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद पत्र देने के परिवार से किसी भी व्यक्ति को अनुकंपा नियुक्त नहीं की गई है। उक्त आवेदन के आधार पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर ने विभागीय अधिकारी को प्राप्त शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने जन सुनवाई में की प्रकरणों की सुनवाई



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित जन सुनवाई में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। कमिश्नर ने दो महिलाओं के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के भर्ती के संबंध में दिए गए आवेदनों पर संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को कार्यवाही के निर्देश दिए। कमिश्नर

ने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई के आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिलाधिकारियों को प्राप्त जन सुनवाई के आवेदन एवं अन्य आवेदनों के निराकरण की भी नियमित रूप से समीक्षा करें। जन सुनवाई में राशनकार्ड बनाने, पेंशन, पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई।

जनसुनवाई में 62 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वनिल वानखडे एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याएँ सुनीं। जनसुनवाई में 62 आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान जनसुनवाई में आए करही खुर्द सतना निवासी बूटी बाई चौधरी को अपर कलेक्टर स्वनिल वानखडे द्वारा तत्काल ट्राई सिक्ल और वैशाखी प्रदान की गई। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रखा में नाम जोड़ने, खादान पात्रता पर्ची, दाखिल-



खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या,

वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार

दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

विभागीय कार्यों के साथ स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान विभागीय कार्यों के साथ स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें। इनकी व्यवस्थाओं को बेहतर करने में योगदान दें। मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों में सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएँ। रीवा में 23 अक्टूबर को रीजनल इंटरडिस्ट्रिकल कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। इसके पूर्व रीवा शहर को जोड़ने वाली सभी प्रमुख सड़कों एवं पुलों का एवंबर/नवंबर में सुधार के कार्य अनिवार्य रूप से पूरे कराएँ।



कमिश्नर ने कहा कि बोनी शुरू होते ही खाद और बीज की मांग बढ़ेगी। खाद के आवंटन, उठाव और वितरण की प्रतिदिन जानकारी दें। विपणन संघ खाद की मांग बढ़ने पर अतिरिक्त खरीदी केन्द्र शुरू करके किसानों को सुविधाजनक ढंग से खाद का वितरण कराएँ। निजी दुकानदारों द्वारा खाद वितरण की कड़ी निगरानी करें। खाद और बीज के नमूने लेकर इनकी नियमित रूप से जाँच करें। अमानक नमूने पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करें। जल संसाधन विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि संधा के जिन तालाबों तथा स्टॉपडैम में अच्छी वर्षा के बावजूद पानी का संचय नहीं हुआ है मुख्य अभियंता उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इनके दोषी तकनीकी अधिकारियों पर जिम्मेदारी निर्धारित कर कार्यवाही प्रस्तावित करें।

कमिश्नर ने बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि 23 अक्टूबर को रीजनल इंटरडिस्ट्रिकल कॉन्क्लेव में उद्योग, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण तथा अन्य संभावित उद्यमों की स्थापना के लिए निवेश प्रस्तावों को पोर्टल पर अपलोड कराएँ। अब तक लगभग 1300 करोड़ रुपए के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके आयोजन के लिए कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आवश्यक

प्रबंध करें। मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कंपनी बिजली लाइनों में सुधार तथा खराब ट्रांसफार्मर सुधारने के कार्य प्राथमिकता से कराएँ। सिंचाई शुरू होते ही बिजली की मांग तेजी से बढ़ेगी। बिजली की समुचित आपूर्ति के लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग विकासखण्ड स्तर तक संयुक्त बैठकें आयोजित करके महिलाओं तथा बच्चों के कल्याण की

योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करें। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सभी जिलों में नवम्बर माह में स्वेच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कराएँ। सभी स्वस्थ अधिकारी और कर्मचारी भी इन शिविरों में रक्तदान करें। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए भी रक्तदान करना आवश्यक है। कमिश्नर ने कहा कि उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग प्रत्येक छात्रवास के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर हर माह छात्रवासों का निरीक्षण कराएँ। उनकी निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त कर उस पर समुचित कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में तीन सौ से अधिक पेंशन प्रकरण लंबित हैं। सभी कार्यालय प्रमुख 21 अक्टूबर तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में दर्ज करा दें। समय सीमा का पालन न करने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। विभागीय जाँच के कारण जो पेंशन प्रकरण लंबित हैं उनमें दो माह में विभागीय जाँच पूरी करके प्रकरण दर्ज कराएँ। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में राजस्व, खाद्य, ग्रामीण

विकास विभाग, पीएचडी, महिला एवं बाल विकास विभाग, वित्त विभाग तथा अन्य कई विभागों में सीएम हेल्पलाइन के हजारों प्रकरण लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। बैठक में कमिश्नर ने हेडपत्रों के सुधार, पेयजल स्रोतों के शुद्धीकरण, निर्माण कार्यों के लिए वन भूमि में अनुमति के प्रस्तावों तथा मछली पालन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी, उपायुक्त दिव्या त्रिपाठी, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग संजय खाण्डे, मुख्य अभियंता विद्युत मण्डल आईईके त्रिपाठी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. केएल नामदेव, संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।